सृजन
2020-21

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागाँव
जिला-कोण्डागाँव(छ.ग.)

Activate Windows
Go to PC settings to activate Windows

उत्कृष्ट नोडल अधिकारी(स्वीप) का सम्मान प्राप्त करते हुए

भूतपूर्व छात्र परिषद की बैठक

संविधान दिवस पर शपथ ग्रहण

जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री विकल मानेजी से सौजन्य भेंट

महाविद्यालय परिवार द्वारा जोहार एथनिक रिसार्ट भ्रमण

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के ब्लू बिग्रेड द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण

CGPSC द्वारा आयोजित सहायक प्राध्यापक परीक्षा में साक्षात्कार हेतु चयनित अभ्यर्थियों का मॉक इंटरव्यू

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय

कोण्डागाँव(छ.ग.)

सृजन
2020-21

-: संरक्षक :-
डॉ.(श्रीमती) किरण नुरूटी

-: संपादक :-
श्री विनय कुमार देवाँगन

-: सदस्य गण :-
श्री हनी चोपड़ा, श्री अश्वनी ठावरे

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी

मोहन मरकाम
अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी
विधायक - कोण्डागाँव

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी रायपुर

राजीव भवन, शंकर नगर चौक,
रायपुर - 492001 (छत्तीसगढ़)
फ़ोन : 0771-2236793
2236794, 2236795
ई-मेल- cgpccryp.2018@gmail.com

पत्र क्रमांक 97/KGN

रायपुर, दिनाँक- 02/07/2021

::शुभकामना संदेश::

प्रसन्नता का विषय है कि कोण्डागांव जिले के अग्रणी महाविद्यालय शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागांव द्वारा महाविद्यालयीन पत्रिका 'सृजन' के सत्र २०२०-२१ का संस्करण प्रकाशित हो रहा है। मैं समस्त महाविद्यालय परिवार एंव महाविद्यालय में अध्ययनरत् समस्त छात्र-छात्राओं को 'सृजन' के सफल प्रकाशन हेतु शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

(मोहन मरकाम)

निवासः बस्तर बाड़ा, आवास क्र.- बी 5/12 (21/376), पुराना सिविल लाइन सर्जन बंग्ला रेस्ट हाउस के पास, सिविल लाइन, रायपुर (छ.ग.)
मो. : 9425258240, दूरभाष : 0771 4907467, ई मेल : mla83kondagaon@gmail.com

जनभागीदारी समिति
शासकीय गुण्डाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोण्डागाँव

जिला-कोण्डागांव (छ.ग.)
मो. : 07786-242529, E-mail - ggckondagaon@gmail.com

श्री विकल माने — अध्यक्ष

श्री पुष्पेन्द्र कुमार मीणा — (कलेक्टर, कोण्डागाँव) उपाध्यक्ष

डॉ. किरण नुरूटी — सचिव

श्री पुरोहित कुमार सोरी
श्री शशिभूषण कन्नौजे
- वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक -

डॉ. देवाशीष हालदार
- वि.वि. अनु. आ. सदस्य -

श्री पुचूराम सागर
श्री एम.डी. बघेल
- स्थानीय संगठन सदस्य -

श्री सुब्रत राय
- उद्योग सदस्य -

श्री सुशील गुप्ता
- अभिभावक प्रतिनिधि -

श्री दीपक जैन
- भूतपूर्व छात्र प्रतिनिधि -

श्री जीवन लाल नाग
- कृषक प्रतिनिधि -

श्री नरेन्द्र कुमार नायक
- प्राचार्य,शा.उ.मा.वि.कोण्डागाँव -
पोषक शाला सदस्य

श्री दीपक सिंह ठाकुर
- दानदाता सदस्य -

श्रीमती ननकी वैष्णव
- महिला प्रतिनिधि -

श्री कैलाश पोयाम
- सांसद प्रतिनिधि -

-::शुभकामना संदेश::-

अत्यंत हर्ष का विषय है कि शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागाँव द्वारा सत्र 2020-21 हेतु महाविद्यालयीन पत्रिका 'सृजन' का प्रकाशन किया जा रहा है। महाविद्यालयीन पत्रिका विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को साकार रूप देने का एक सशक्त माध्यम होने के साथ-साथ महाविद्यालय के समस्त शैक्षणिक एवं शैक्षणेत्तर गतिविधियों का प्रतिबिम्ब होती है। मैं महाविद्यालयीन पत्रिका 'सृजन' के प्रकाशन पर महाविद्यालय में अध्ययनरत् समस्त छात्र-छात्राओं तथा महाविद्यालय परिवार के समस्त शैक्षणिक व अशैक्षणिक स्टाफ को कोटिशः बधाई देता हूँ।

आशा है कि 'सृजन' का यह अंक विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्प्रद और उपयोगी सिद्ध होगा।

(विकल माने)
अध्यक्ष
जन भागीदारी समिति
गुण्डाधुर महाविद्यालय
कोण्डागांव(छ.ग.)

प्राचार्य की कलम से

अत्यंत हर्ष का विषय है कि महाविद्यालयीन पत्रिका 'सृजन' का सत्र 2020-21 का संस्करण प्रकाशित होकर आपके समक्ष प्रस्तुत है। विगत 10-12 वर्षों से पत्रिका का प्रकाशन बंद रहने के पश्चात् इस सत्र से इसका पुनर्प्रकाशन प्रारंभ किया जा रहा है। कहा जाता है कि दृढ़ इच्छाशक्ति से सभी कार्य संभव हैं और पत्रिका का पुनर्प्रकाशन भी इसी का परिणाम है। महाविद्यालय की वर्ष भर की महत्वपूर्ण गतिविधियों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों की उपलब्धियों, विभिन्न कार्यक्रमों के सूचनाओं के प्रकाशन के साथ-साथ विद्यार्थियों के सृजनात्मक प्रतिभा को उद्घाटित करना महाविद्यालयीन पत्रिका का मुख्य उद्देश्य होता है। विश्वास है कि 'सृजन' का यह अंक अपने उद्देश्यों की प्राप्ति में पूर्णतः खरा उतरेगा।

शैक्षणिक सत्र 2020-21 का प्रारंभ ही वैश्विक महामारी कोविड-19 के साथ हुआ। स्वाभाविक है कि इन विषम परिस्थितियों में महाविद्यालयीन गतिविधियों का संचालन और अकादमिक कैलेण्डर से सामंजस्य स्थापित करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य रहा। लेकिन एक कड़वा सच यह भी है कि कोरोना महामारी के साथ जितने भी बदलाव हमें देखने को मिले हैं, उनमें ज्यादातर बदलाव भले ही नकारात्मक हो सकते हैं, किंतु इन तमाम बड़े-बड़े दावों और आशंकाओं के बीच कुछ छोटे-छोटे सकारात्मक बदलाव भी हैं, जिन्हें पिछले दिनों हमने बहुत गंभीरता और तेजी के साथ अपनाया है। परम्परागत क्लासरूम शिक्षण के विकल्प के रूप में डिजिटल शिक्षण और ऑनलाइन टीचिंग के नये-नये स्त्रोत विकसित हो रहे हैं। हमारे प्राध्यापकों द्वारा छात्रों को ऑनलाइन ही व्याख्यान्, नोट्स आदि उपलब्ध कराया जा रहा है। हालांकि इनकी भौतिक रूप से कक्षा में उपस्थिति से कोई तुलना नहीं और न ही ऑनलाइन शिक्षा परम्परागत कक्षा की जगह ले सकती है। दूरस्थ अँचलों में तकनीकी संसाधन और इंटरनेट कनेक्टिविटी जुटाना भी मुश्किल रहा है। संकट की इस घड़ी में ऑनलाइन शिक्षा सही है, पर इसे कक्षाओं का विकल्प कतई नहीं बनाया जा सकता।

वर्तमान सत्र में शासन के निर्देशानुसार नवीन जनभागीदारी समिति का विधिवत् गठन हुआ। जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष के रूप में माननीय श्री विकल मानेजी का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। इसके साथ ही जनभागीदारी समिति के उपाध्यक्ष के रूप में कोण्डागाँव, जिला के जिलाधीश श्री पुष्पेन्द्र कुमार मीणा जी का भी अभूतपूर्व सहयोग रहा। महाविद्यालय के इतने वर्षों के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ कि जिलाधीश महोदय द्वारा जनभागीदारी समिति की मैराथन बैठक लेकर विभिन्न समस्याओं के निवारण एवं माँगों के संबंध में जिला स्तरीय अधिकारियों को मौके पर ही निर्देशित किया गया हो। इसके अतिरिक्त इसी सत्र में महाविद्यालयीन भूतपूर्व छात्र परिषद का भी गठन किया गया। नैक मूल्यांकन की तैयारियों के परिप्रेक्ष्य में प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों की अलग-अलग समिति क्राइटेरियावार गठित की गई है, जिनके कार्यों की समीक्षा प्रत्येक सप्ताह की जाती है। आशा है कि अगले शैक्षणिक सत्र में महाविद्यालय में नैक मूल्यांकन का कार्य भी करवा लिया जाएगा। इसके साथ ही महाविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग में शोध केन्द्र स्थापित है और अर्थशास्त्र व रसायनशास्त्र विभाग में शोध केन्द्र की स्थापना प्रक्रियारत है।

हमारा महाविद्यालय जिला का अग्रणी महाविद्यालय होने के साथ ही आस–पास के क्षेत्रों में अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक एवं शैक्षणेत्तर गतिविधियों के कारण लब्धप्रतिष्ठित महाविद्यालय रहा है, जिसका श्रेय हमारे महाविद्यालय के समस्त शिक्षण एवं गैर शिक्षण स्टाफ के सदस्यों की समर्पित टीम को है, जो छात्रों के चहुँमुखी विकास के लिए कृतसंकल्पित एवं सतत् क्रियाशील रहते हैं। मैं यहाँ यह भी उल्लेख करना चाहूँगी कि महाविद्यालय प्रबंधन में श्री पुरोहित कुमार सोरी, एन.एस.एस गतिविधियों एवं जनसम्पर्क में श्री शोभा राम यादव एवं श्री शशिभूषण कन्नौजे, तकनीकी सहायता में डॉ. देवाशीष हालदार, श्री नसीर अहमद एवं डॉ. आशीष कुमार आसटकर, साहित्यिक गतिविधियों में श्री विनय कुमार देवाँगन और सांस्कृतिक गतिविधियों में श्रीमती रूपा सोरी एवं श्रीमती चित्रकिरण पटेल का अपेक्षित सहयोग मिलता रहा है। मैं विद्यार्थियों से भी कहना चाहूँगी कि प्रतियोगी परीक्षाओं के वर्तमान युग में जब तक विद्यार्थी पूर्णतः अध्ययन के प्रति स्वयं को समर्पित नहीं कर देता, तब तक वह सफल और उज्ज्वल भविष्य के स्वप्न को साकार नहीं कर सकेगा। महाविद्यालय में उपलब्ध डिजिटल लाइब्रेरी का उपयोग शोध कार्य एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थी अपने अध्ययन हेतु कर सकते हैं।

मैं कोण्डागाँव विधानसभा के विधायक माननीय श्री मोहन मरकामजी एवं जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष माननीय श्री विकल मानेजी को उनके प्रोत्साहन एवं प्रेरणास्वरूप पत्रिका हेतु अपनी शुभकामना संदेश प्रेषित करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित करती हूँ। अंत में महाविद्यालय में संचालित प्रत्येक कार्यों हेतु मैं जनभागीदारी समिति के सभी सम्मानित सदस्यों, शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ और महाविद्यालय में अध्ययनरत समस्त छात्र–छात्राओं का हृदय से आभार प्रकट करती हूँ। आशा है कि 'सृजन' का यह संस्करण प्राध्यापकों और विद्यार्थियों को नई ऊर्जा से भर देगा। सभी के सुयशपूर्ण भविष्य की शुभाशीर्वाद सहित...

डॉ.(श्रीमती) किरण नुरूटी

प्राचार्य

संपादक की कलम से

जिस प्रकार साहित्य को समाज का दर्पण कहा जाता है, ठीक उसी प्रकार महाविद्यालयीन पत्रिका भी महाविद्यालय की शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं बौद्धिक गतिविधियों के साथ-साथ उसकी साहित्यिक व सामाजिक गतिविधियों का संचित प्रतिबिम्ब होती है। महाविद्यालयीन पत्रिका छात्रों के सर्वांगीण विकास के प्रतिबद्धता का प्रत्यक्ष प्रमाण होती है। यह महाविद्यालय के प्रगति, भावी योजनाओं को प्रस्तुत करने का सशक्त माध्यम होने के साथ-साथ छात्र-छात्राओं के मनोवृत्ति, विचारों और उनकी लेखन कौशल शक्ति को अभिव्यक्त करने का प्रबल साधन है।

किंचित कारणों से हमारे महाविद्यालयीन पत्रिका 'सृजन' का प्रकाशन विगत 10-12 वर्षो से बंद रहा, किन्तु कहा जाता है कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है। समय में परिवर्तन की अपार शक्ति होती है। प्रकृति का यह नियम हम सब पर लागू होता है और महाविद्यालयीन पत्रिका 'सृजन' भी इससे अछूती नहीं रही है। समग्रतः नये कुशल नेतृत्वकर्ता के साथ, सम्पादन कला की ककहरा सीखते हुए, सम्पादन की बारीकियों को अंगीकृत करते हुए महाविद्यालय के वर्ष भर की गतिविधियों एवं कार्यक्रमों के लेखा-जोखा के साथ 'सृजन' पत्रिका का यह अंक एक लंबे अंतराल के पश्चात् आपके समक्ष प्रस्तुत है। वर्तमान कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौर में जबकि शैक्षणिक कार्यों का निष्पादन भी एक चुनौती बनी हुई है, इसके बावजूद प्राध्यापकों और विद्यार्थियों ने बहुत अधिक संख्या में रचनाएँ ऑफलाइन और ऑनलाइन माध्यम से प्रेषित करके अपनी लिखित अभिव्यक्ति एवं मौलिक चिंतन शक्ति का परिचय दिया है, किंतु स्थानाभाव व निर्धारित परिसीमा होने के कारण सभी रचनाओं को प्रकाशित करना संभव नहीं था। मैं उन विद्यार्थियों से विशेष रूप से आग्रह करना चाहता हूँ जिनकी रचनाएँ प्रकाशित नही हो सकी है, वे हतोत्साहित न होकर अपने लेखन कौशल में उत्तरोत्तर वृद्धि करने हेतु प्रयासरत रहें।

यह 'सृजन' पत्रिका आपके लिए, आपके द्वारा, आपसे प्राप्त पाठ्य सामग्री का ही प्रस्तुतीकरण है। इस पत्रिका के सफल सम्पादन एवं प्रकाशन हेतु मैं सर्वप्रथम माँ शारदा के चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित करता हूँ, जिनके शुभाशीष से ही इस गुरूत्तर दायित्व का निर्वहन कर सका।

यहाँ यह उल्लेख करना केवल औपचारिकता नहीं है कि पत्रिका के प्रकाशन का सम्पूर्ण श्रेय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. (श्रीमती) किरण नुरूटी को है, जिनके कुशल व सुयोग्य मार्गदर्शन, प्रेरणा और अक्षुण्ण सहयोग के बिना इसका पुनर्प्रकाशन संभव नहीं था। चूँकि यह हमारे महाविद्यालय का परम् सौभाग्य है कि आदरणीया नुरूटी मैडम प्रारंभ से ही साहित्यिक गतिविधियों से जुड़ी रही हैं और उनकी अनेक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, इसलिए उनका सुदीर्घ प्रकाशन अनुभव मेरे लिए बहूपयोगी सिद्ध हुआ। प्रकाशन से जुड़ी छोटी-बड़ी तमाम समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु उनकी तत्परता के लिए मैं उनका कृतज्ञ रहूँगा।

इसके साथ ही मैं अपने सभी साथी प्राध्यापकों के प्रति भी कृतज्ञता अर्पित करता हूँ, जिनके द्वारा निर्धारित समय में उपलब्ध सामग्रियों से इस पत्रिका का ताना–बाना बुना जा सका है । मैं विशेष रूप से श्री पुरोहित कुमार सोरी, श्री शोभा राम यादव, श्री शशिभूषण कन्नौजे, श्रीमती रूपा सोरी, डॉ. देवाशीष हालदार, श्री नसीर अहमद, डॉ. आशीष कुमार आसटकर और श्रीमती चित्र किरण पटेल के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिनके बहुमूल्य सुझावों एवं प्रोत्साहन से यह पत्रिका निर्धारित समय में प्रकाशित हो सकी । मैं अपने सहयोगी श्री हनी चोपड़ा और श्री अश्वनी ठावरे के प्रति भी आभार प्रकट करता हूँ, जिनके सहयोग का मुझे निरंतर लाभ मिलता रहा है ।

अंत मे मैं उन सभी के प्रति आभारी हूँ जिन्होंने मुझे पत्रिका के संपादन में न्यूनाधिक सहयोग प्रदान किया है । सृजन परिवार की तमाम कोशिशों के उपरांत भी कुछ त्रुटियों का रह जाना स्वाभाविक है । आशा है कि आप उन कमियों और त्रुटियों की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करेंगे और हमारा यथेष्ठ मार्गदर्शन करते रहेंगे । हमारा महाविद्यालय प्रगति के असंख्य सोपानों को पार करते हुए सदा जगमगाता रहेगा, इन्हीं शुभकामनाओं के साथ ...

'सृजन' संपादक मंडल

विनय कुमार देवाँगन

महाविद्यालयीन शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ
सत्र-2020-21

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)

विश्वविद्यालयीन प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान

कु. ज्योति देवाँगन
एम.ए. इतिहास
2016-17

कु. कल्पना गोलछा
एम.कॉम.
2016-17

कु. तारिका जैन
एम.कॉम.
2017-18

कु. मनीषा नेताम
एम.ए. समाजशास्त्र
2017-18

कु. सरनजीत कौर
बी.एस.सी
2018-19

अनुक्रमणिका

क्र.	विवरण	नाम	पृष्ठ
1.	महाविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रम एवं उपलब्ध सीट (2020-21)	–	11
2.	स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के छात्र-छात्राओं की प्रवेश संबंधी जानकारी	–	12
3.	परीक्षा परिणाम की जानकारी सत्र 2019-20	–	13
4.	हिन्दी विभाग प्रतिवेदन	– श्री विनय कुमार देवाँगन	14-16
5.	अंग्रेजी विभाग प्रतिवेदन	– श्रीमती रूपा सोरी	17
6.	इतिहास विभाग प्रतिवेदन	– श्री पुरोहित कुमार सोरी	18-19
7.	समाजशास्त्र विभाग प्रतिवेदन	– डॉ. (श्रीमती) किरण नुरूटी	20-21
8.	अर्थशास्त्र विभाग प्रतिवेदन	– डॉ. देवाशीष हालदार	22
9.	भूगोल विभाग प्रतिवेदन	– श्री समलेश पोटाई	23
10.	राजनीति विज्ञान विभाग प्रतिवेदन	– श्री सोनल मेश्राम	24
11.	गृह विज्ञान विभाग प्रतिवेदन	– श्रीमती अनिता चंद्राकर	25
12.	रसायनशास्त्र विभाग प्रतिवेदन	– श्री नसीर अहमद	26-28
13.	प्राणीशास्त्र विभाग प्रतिवेदन	– श्री शोभा राम यादव	29
14.	वनस्पतिशास्त्र विभाग प्रतिवेदन	– श्री शशिभूषण कन्नौजे	30
15.	भौतिकी विभाग प्रतिवेदन	– कु. मोनिका देवाँगन	31
16	गणित विभाग प्रतिवेदन	– कु. महक बक्शी	32
17.	कम्प्यूटर विज्ञान विभाग प्रतिवेदन	– श्री रवि सूर्यवंशी	33
18.	वाणिज्य विभाग प्रतिवेदन	– श्री हनी चोपड़ा	34
19.	रूसा प्रतिवेदन	– श्री शशिभूषण कन्नौजे	35
20.	आंतरिक मूल्यांकन समिति प्रतिवेदन	– श्री शोभा राम यादव	35
21.	आईक्यूएसी प्रतिवेदन	– डॉ. आशीष कुमार आसटकर	36-37
22.	रेड रिबन समिति प्रतिवेदन	– श्री शशिभूषण कन्नौजे	37
23.	ग्रंथालय प्रतिवेदन	– श्री शशिभूषण कन्नौजे	38
24.	स्वीप प्रतिवेदन	– श्री शशिभूषण कन्नौजे	38
25.	महिला उत्पीड़न आंतरिक रोकथाम समिति प्रतिवेदन	– डॉ. (श्रीमती) किरण नुरूटी	39
26.	भूतपूर्व छात्र परिषद प्रतिवेदन	– श्री शशिभूषण कन्नौजे	39
27.	इको क्लब प्रतिवेदन	– श्री शशिभूषण कन्नौजे	40
28.	कैरियर गाइडेंस एंड प्लेसमेंट सेल प्रतिवेदन	– डॉ. देवाशीष हालदार	40
29.	अतिथि प्राध्यापक चयन समिति प्रतिवेदन	– श्रीमती रूपा सोरी	41
		श्री विनय कुमार देवाँगन	

क्र.	विवरण	नाम	पृष्ठ
30	राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रतिवेदन	– श्री शोभाराम यादव	42
	महाविद्यालय का गौरव		42
31.	पं सुन्दर शर्मा मुक्त वि.वि.परीक्षा केन्द्र प्रतिवेदन	– श्री शोभाराम यादव	43
32.	जिला संगठन, राष्ट्रीय सेवा योजना, जिला–कोण्डागाँव प्रतिवेदन	– श्री शशिभूषण कन्नौजे	43
33.	एंटी रैगिंग समिति प्रतिवेदन	– डॉ. (श्रीमती) किरण नुरूटी	44
34.	छत्तीसगढ़ी में हाना (कहावत)	– डॉ. (श्रीमती) किरण नुरूटी	45–46
35.	चन्द लम्हें जिन्दगी के चल यार यूँ बिता दें...	– श्री नसीर अहमद	47
36.	हिन्दी ही मेरा वजूद और हिन्दुस्तानी ही मेरा पहचान है...	– श्री नसीर अहमद	48
37.	पिता	– युक्ता गोलछा	48
38.	हाँ, मैं एक लड़की हूँ	– साक्षी देवाँगन	48
39.	हिन्दी मीडिया की भाषा और बाजारवाद : वर्तमान संदर्भ में	– श्री विनय कुमार देवाँगन	49–50
40.	मानव अधिकार	– श्री सोनल मेश्राम	51
41.	जनजाति संस्कृति एवं जनजाति विकास	– श्री हरीश चन्द्राकर	52
42.	माँ भारती	– श्री समलेश पोटाई	53
43.	सकारात्मक सोच की शक्ति	– सुमन आचले	54
44.	छत्तीसगढ़ मोर महतारी	– देवेश कुमार शोरी	55
45.	फूटा घड़ा	– जोगीराम नेताम	56
46.	भारत	– प्रियल गुप्ता	57
47.	राहगीर हूँ यारों	– सुमित कुमार झा	58
48.	माँ चो मया	– सुखदेव पोयाम	59
49.	सपनों की उड़ान	– प्रतीक्षा यादव	60
50.	जिन्दगी क्या है ?	– कु. चेतावनी यादव	60
51.	सत्र 2020–21 हेतु प्रस्तावित अकादमिक कैलेण्डर के अनुसार	– श्री विनय कुमार देवाँगन	61–63
	सम्पन्न हुए कार्यक्रम एवं अन्य गतिविधियों का विवरण	डाँ आशीष कुमार आसटकर	
52.	जनभागीदारी समिति के सम्मानित सदस्यों की सूची	–	64
53.	महाविद्यालय स्टाफ सूची	–	65–66
54.	अखबार की सुर्खियों में हमारा महाविद्यालय	–	67
55.	विभागीय गतिविधियाँ	–	68

-: महाविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रम एवं उपलब्ध सीट :-

क्र.	संचालित पाठ्यक्रम का नाम	उपलब्ध सीट
	स्नातक स्तर	
01	बी.ए. भाग - 1	180
02	बी.एस-सी भाग - 1 (जीवविज्ञान) (गणित समूह) (कम्प्यूटर साईंस)	120 40 20
03	बी.कॉम भाग - 1	75
04	बी.सी.ए. भाग - 1	30
	स्नातकोत्तर स्तर	
05	एम.ए. (प्रथम सेमेस्टर)	
	1. हिन्दी	40
	2. राजनीति शास्त्र	33
	3. अर्थशास्त्र	33
	4. भूगोल	15
	5. इतिहास	25
	6. समाजशास्त्र	33
06	एम.एस-सी. (प्रथम सेमेस्टर)	
	1. रसायन शास्त्र	25
	2. गणित	20
07	एम.कॉम प्रथम सेमेस्टर	40

स्नातक स्तर के छात्र-छात्राओं की प्रवेश संबंधी जानकारी सत्र 2020-21

CLASS NAME	GEN				SC				ST				OBC				MINORITY				TOTAL			
	MALE	FEMALE	THIRD GENDER	TOTAL	MALE	FEMALE	THIRD GENDER	TOTAL	MALE	FEMALE	THIRD GENDER	TOTAL	MALE	FEMALE	THIRD GENDER	TOTAL	MALE	FEMALE	THIRD GENDER	TOTAL	MALE	FEMALE	THIRD GENDER	TOTAL
B.A. PART - 1	03	04	00	07	05	04	00	09	55	70	00	125	18	19	00	34	00	00	00	00	81	97	00	178
B.A. PART - 2	01	02	00	03	04	03	00	07	49	56	00	105	15	18	00	33	00	00	00	00	69	79	00	148
B.A. PART - 3	02	04	00	06	04	03	00	07	56	81	00	137	13	12	00	25	00	00	00	00	75	100	00	175
B.SC. PART - 1	07	14	00	21	09	09	00	18	53	34	00	87	21	27	00	48	00	00	00	00	90	84	00	174
B.SC. PART - 2	07	18	00	25	02	03	00	05	40	40	00	80	18	34	00	52	00	00	00	00	67	95	00	162
B.SC. PART - 3	04	09	00	13	06	04	00	10	28	30	00	58	18	08	00	26	00	00	00	00	56	51	00	107
B.COM PART - 1	09	03	00	12	05	02	00	07	16	20	00	36	13	07	00	20	00	00	00	00	43	32	00	75
B.COM PART - 2	12	02	00	14	03	01	00	04	18	11	00	29	08	02	00	10	00	00	00	00	41	16	00	57
B.COM PART - 3	06	06	00	12	00	00	00	00	05	01	00	06	02	00	00	02	00	00	00	00	13	07	00	20
B.C.A. PART - 1	00	01	00	01	01	01	00	02	00	00	00	00	01	02	00	03	00	00	00	00	02	04	00	06
TOTAL	51	63	00	114	39	30	00	69	320	343	00	663	127	129	00	253	00	00	00	00	537	565	00	1102

स्नातकोत्तर स्तर के छात्र-छात्राओं की प्रवेश संबंधी जानकारी सत्र 2020-21

CLASS NAME	GEN				SC				ST				OBC				MINORITY				TOTAL			
	MALE	FEMALE	THIRD GENDER	TOTAL	MALE	FEMALE	THIRD GENDER	TOTAL	MALE	FEMALE	THIRD GENDER	TOTAL	MALE	FEMALE	THIRD GENDER	TOTAL	MALE	FEMALE	THIRD GENDER	TOTAL	MALE	FEMALE	THIRD GENDER	TOTAL
एम.ए.हिन्दी (1 सेमे.)	00	00	00	00	00	00	00	00	07	06	00	13	01	00	00	01	00	00	00	00	08	06	00	14
एम.ए.हिन्दी (3 सेमे.)	00	00	00	00	00	00	00	00	01	03	00	04	00	00	00	00	00	00	00	00	01	03	00	04
एम.ए.इतिहास (1 सेमे.)	00	01	00	01	00	00	00	00	03	04	00	07	00	00	00	00	00	00	00	00	03	05	00	08
एम.ए.इतिहास (3 सेमे.)	00	00	00	00	00	00	00	00	01	04	00	05	00	00	00	00	00	00	00	00	01	04	00	05
एम.ए.अर्थशास्त्र (1 सेमे.)	00	00	00	00	00	00	00	00	02	08	00	10	00	02	00	02	00	00	00	00	02	10	00	12
एम.ए.अर्थशास्त्र (3 सेमे.)	00	00	00	00	01	00	00	01	05	05	00	10	00	00	00	00	00	00	00	00	06	05	00	11
एम.ए.भूगोल (1 सेमे.)	00	00	00	00	00	01	00	01	01	01	00	02	01	00	00	01	00	00	00	00	02	02	00	04
एम.ए.भूगोल (3 सेमे.)	00	00	00	00	00	00	00	00	03	08	00	11	01	01	00	02	00	00	00	00	04	09	00	13
एम.ए.समाजशास्त्र (1 सेमे.)	00	00	00	00	00	00	00	00	00	01	00	01	00	00	00	00	00	00	00	00	00	01	00	01
एम.ए.समाजशास्त्र (3 सेमे.)	00	00	00	00	00	00	00	00	02	01	00	03	00	00	00	00	00	00	00	00	02	01	00	03
एम.ए.राजनीतिशास्त्र (1 सेमे.)	00	00	00	00	00	00	00	00	01	01	00	02	01	00	00	01	00	00	00	00	02	01	00	03
एम.ए.राजनीतिशास्त्र (3 सेमे.)	00	00	00	00	00	00	00	00	01	04	00	05	00	00	00	00	00	00	00	00	01	04	00	05
एम.कॉम (1 सेमे.)	05	06	00	11	00	00	00	00	03	01	00	04	01	02	00	03	00	00	00	00	09	09	00	18
एम.कॉम (3 सेमे.)	00	02	00	02	00	00	00	00	02	00	00	02	01	07	00	08	00	00	00	00	03	09	00	12
एम.एससी.गणित (1 सेमे.)	01	00	00	01	00	00	00	00	01	02	00	03	01	03	00	04	00	00	00	00	03	05	00	08
एम.एससी.गणित (3 सेमे.)	00	00	00	00	00	00	00	00	00	02	00	02	00	00	00	00	00	00	00	00	00	02	00	02
एम.एससी.रसायन (1 सेमे.)	01	02	00	03	00	02	00	02	04	04	00	08	06	07	00	13	00	00	00	00	11	15	00	26
एम.एससी.रसायन (3 सेमे.)	02	04	00	06	03	02	00	05	06	01	00	07	01	05	00	06	00	00	00	00	12	12	00	24
योग :-	09	15	00	24	04	05	00	09	43	56	00	99	14	27	00	41	00	00	00	00	70	103	00	173

परीक्षा परिणाम की जानकारी

सत्र 2019-20

No.	Name of Class	Appeared			Passed Student			Failed Student			Pass Percentage
		Male	Female	Total	Male	Female	Total	Male	Female	Total	
1	B.A. I	75	68	143	70	66	136	05	02	07	95.10%
2	B.A. II	45	63	108	44	63	107	01	00	01	99.7%
3	B.A. III	12	17	29	11	44	25	01	03	04	86.2%
4	B.COM I	47	16	63	47	16	63	00	00	00	100%
5	B.COM II	10	06	16	10	06	16	00	00	00	100%
6	B.COM III	13	13	26	13	13	26	00	00	00	100%
7	B.Sc. I	78	95	173	69	86	155	11	07	18	89.59%
8	B.Sc. II	39	37	76	39	37	76	00	00	00	100%
9	B.Sc. III	34	47	81	33	47	80	01	00	01	98.7%
10	M.A. II Sem Hindi	01	03	04	01	03	04	00	00	00	100%
11	M.A. IV Sem Hindi	01	09	10	01	09	00	00	00	00	100%
12	M.A. II Sem Political	02	03	05	02	03	05	00	00	00	100%
13	M.A. IV Sem Political	04	01	05	04	00	04	00	01	01	80%
14	M.A. II Sem History	01	04	05	01	04	05	00	00	00	100%
15	M.A. IV Sem History	07	02	09	06	02	08	01	00	01	88.88%
16	M.A. II Sem Geography	04	09	13	04	09	13	00	00	00	100%
17	M.A. IV Sem Geography	08	13	21	07	11	18	01	02	03	85.71%
18	M.A. II Sem Economics	06	05	11	06	05	11	00	00	00	100%
19	M.A. IV Sem Economics	04	11	15	04	11	15	00	00	00	100%
20	M.A. II Sem Sociology	02	01	03	02	01	03	00	00	00	100%
21	M.A. IV Sem Sociology	05	02	07	04	02	06	01	00	01	85.71%
22	M.Sc. II Sem Chemistry	11	14	25	11	14	25	00	00	00	100%
23	M.Sc. IV Sem Chemistry	07	15	22	02	10	12	05	05	10	54.54%
24	M.Sc. II Sem Maths	00	02	02	00	02	02	00	00	00	100%
25	M.Sc. IV Sem Maths	00	04	04	00	04	04	00	04	04	100%
26	M.Com II Sem	04	10	14	04	10	14	00	00	00	100%
27	M.Com IV Sem	09	14	23	09	14	23	00	00	00	100%

: हिन्दी विभाग प्रतिवेदन :

श्री विनय कुमार देवाँगन

श्रीमती सिहनु लांबा

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागाँव में हिन्दी विभाग में स्नातक स्तर पर हिन्दी साहित्य एवं हिन्दी भाषा की कक्षाओं के साथ ही स्नातकोत्तर स्तर पर भी हिन्दी की कक्षाएँ संचालित हैं। हिन्दी विभाग में 01 पद प्राध्यापक और 01 पद सहायक प्राध्यापक हेतु स्वीकृत है। वर्तमान में नियमित सहायक प्राध्यापक के पद पर श्री विनय कुमार देवाँगन एवं अतिथि प्राध्यापक के रूप में श्रीमती सिहनु लांबा सेवारत् हैं।

शैक्षणिक सत्र 2020-21 में एम.ए.(हिन्दी)-प्रथम सेमेस्टर में 13 विद्यार्थी, जिसमें 05 छात्र एवं 08 छात्राएँ और एम.ए. (हिन्दी)-तृतीय सेमेस्टर में 04 विद्यार्थी, जिसमें 01 छात्र और 03 छात्राओं ने प्रवेश लिया है। इसी प्रकार स्नातक स्तर पर बी.ए.प्रथम वर्ष में कुल 90 विद्यार्थियों, जिसमें 30 छात्र और 60 छात्राओं ने प्रवेश लिया है। बी.ए. द्वितीय वर्ष में 34 छात्र और 59 छात्राएँ कुल 93 विद्यार्थियों ने तथा बी.ए. तृतीय वर्ष में कुल 100 विद्यार्थियों, जिसमें 42 छात्र एवं 58 छात्राओं ने प्रवेश लिया है।

शैक्षणिक सत्र 2019-20 का परीक्षा परिणाम निम्नानुसार है :-

क्र.	कक्षा का नाम	परीक्षा में प्रविष्ट विद्यार्थियों की संख्या			उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या			अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या			उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत
		छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग	
1.	बी.ए.प्रथम वर्ष	34	39	73	34	39	73	0	0	0	100%
2.	बी.ए.द्वितीय वर्ष	21	33	54	21	33	54	0	0	0	100%
3.	बी.ए.तृतीय वर्ष	10	13	23	10	13	23	0	0	0	100%
4.	एम.ए.हिन्दी-I सेमे.	01	03	04	01	03	04	0	0	0	100%
5.	एम.ए.हिन्दी-II सेमे.	01	03	04	01	03	04	0	0	0	100%
6.	एम.ए.हिन्दी-III सेमे.	01	09	10	01	09	10	0	0	0	100%
7.	एम.ए.हिन्दी-IV सेमे.	01	09	10	01	09	10	0	0	0	100%

अध्ययन के अलावा शैक्षणेत्तर गतिविधियों के प्रति भी विद्यार्थियों में रूचि उत्पन्न करने एवं विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के विकास के लिए 'हिन्दी साहित्य परिषद' का गठन दिनांक 18.02.2021 को किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं को उच्चतम् अंक के आधार पर विभिन्न पदों पर मनोनीत किया गया।

हिन्दी साहित्य परिषद		
अध्यक्ष	-	कु. मानबती नेताम
उपाध्यक्ष	-	कु. वर्षा केमरो
सचिव	-	कु. जमुना शोरी
सहसचिव	-	सोमनाथ नाग
कार्यकारणी सदस्य	-	हरिचंद, देवेन्द्र, उमेश्वरी, शिवलाल, सुरमोतिन, हेमबती, महेश, सुमेन्द्र हेमलता, बिम्लेश्वरी, मंगलबती।

हिन्दी विभाग में दिनांक 14.09.2020 को हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में वर्तमान कोविड-19 महामारी के दौर में केन्द्र और राज्य शासन के सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए व्याख्यान्, ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. (श्रीमती) किरण नुरूटी, सहायक प्राध्यापक श्री नसीर अहमद और हिन्दी विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री विनय कुमार देवाँगन ने हिन्दी भाषा के महत्व और व्यापकता पर अपने विचार व्यक्त किये। इसी तारतम्य में आयोजित ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ और देश भर के अन्य राज्यों से कुल 802 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें उत्तीर्ण प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इसके साथ ही 'हिन्दी के विकास में हमारी भूमिका विषय' पर ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता भी आयोजित की गई थी, जिसमें प्रथम स्थान कु.सीमा मण्डावी, द्वितीय स्थान राजमन मरकाम एवं तृतीय स्थान हरिचंद मरकाम ने प्राप्त किया।

दिनांक 28.11.2020 को 'छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस' के अवसर पर हिन्दी विभाग के द्वारा व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें प्राचार्य महोदया डॉ. (श्रीमती) किरण नुरूटी एवं अन्य सहायक प्राध्यापकों के द्वारा छत्तीसगढ़ी भाषा के माधुर्य, स्वत्व और लालित्य पर अपने विचार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया, जिसमें कुल 421 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सभी सफल प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र भी दिया गया।

दिनांक 02 मार्च से 05 मार्च, 2021 तक हिन्दी विभाग के द्वारा एम.ए.(हिन्दी) प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों हेतु चार दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न विषयों पर व्याख्यान् प्रस्तुत किया गया। प्रथम दिवस में साहित्य के सिद्धांत, आलोचना शास्त्र व प्रगतिवादी काव्य, द्वितीय दिवस में भाषा विज्ञान व आधुनिक गद्य साहित्य, तृतीय दिवस में कामकाजी हिन्दी, पत्रकारिता व आदिकालीन काव्य और चतुर्थ दिवस में भारतीय साहित्य व मध्यकालीन काव्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों के अनेक पहलुओं पर व्याख्यान् प्रस्तुत किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य

डॉ. (श्रीमती) किरण नुरूटी ने सेमिनार आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन परीक्षा की तैयारी की दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के साथ ही विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में भी सहायक सिद्ध होते हैं।

दिनांक 06 मार्च 2021 को हिन्दी साहित्य परिषद् के तत्वावधान, में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, जिसमें ''हिन्दी : हमारी राष्ट्रभाषा'' विषय पर निबंध प्रतियोगिता, 'हिन्दी भाषा के महत्व और विकास' विषय पर नारा लेखन प्रतियोगिता एवं सुलेख प्रतियोगिता सम्मिलित हैं। विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों की सूची निम्नानुसार है :-

निबंध प्रतियोगिता		नारा लेखन प्रतियोगिता	
प्रथम	हरिचन्द मरकाम	प्रथम	हेमलाल
द्वितीय	सोमनाथ	द्वितीय	कु.हेमबती
तृतीय	शिवलाल	तृतीय	कु.मंगलबती

सुलेख प्रतियोगिता	
प्रथम	कु.हेमबती मरकाम
द्वितीय	कु.मानबती
तृतीय	कु.जमुना शोरी

हिन्दी विभाग के समस्त कार्यक्रमों के आयोजन में अतिथि प्राध्यापक श्रीमती सिहनु लांबा का सहयोग रहा।

शासकीय गुण्डाधूर महाविद्यालय
सुपथी
कोण्डागाँव,छत्तीसगढ़

विनय कुमार देवाँगन
विभागाध्यक्ष (हिन्दी विभाग)

Department of English

Mrs. Rupa Sori

The session 2020-21 of Gundadhur P.G. College, Kondagaon started with great enthusiasm. In Govt. Gudadhur P.G. College, Kondagaon, the English Department conducts the class of English language and English literature at under graduate level. There is only one post sanctioned for Asst. prof (English). At present Smt. Rupa Sori is appointed as Asst. Prof. of in the department of English. In this educational session of 2020-21, we have mentioned below the Facility, Class and student strength :

English Language		
Faceulity	**Class**	**Student Strenght**
Arts	B.A. I	143
	B.A. II	108
	B.A. III	29
Science	B.Sc. I	173
	B.Sc. II	76
	B.Sc. III	81
Commerce	B.Com. I	63
	B.Com. II	16
	B.Com III	26
Arts	B.A. I	01
	B.A. II	01
	B.A. III	01

Annual Examination Result Session - 2019-20

No.	Name of Class	No. of Student Registered			No. of Passed Student			No. of Failed Student			Percentage of Passed Student
		Male	Female	Total	Male	Female	Total	Male	Female	Total	
1.	B.A. I	75	68	143	75	68	143	00	00	00	100%
2.	B.A. II	45	63	108	45	63	108	00	00	00	100%
3.	B.A. III	12	17	29	11	14	25	01	03	04	86.20%
4.	B.Sc. I	78	95	173	70	89	159	08	06	14	91.90%
5.	B.Sc. II	39	37	76	39	37	76	00	00	00	100%
6.	B.Sc. III	34	47	81	34	47	81	00	00	00	100%
7.	B.Com. I	47	16	63	13	05	18	34	11	45	28.57%
8.	B.Com. II	10	06	16	10	06	16	00	00	00	100%
9.	B.Com. III	13	26	26	13	13	26	00	00	00	100%
10.	B.A. I (Eng.Lit)	01	00	01	01	00	01	00	00	00	100%
11.	B.A. II (Eng.Lit)	01	00	01	01	00	01	00	00	00	100%
12.	B.A. III (Eng.Lit)	01	00	01	01	00	01	00	00	00	100%

Mrs. Rupa Sori
Assistant Professor (English)

इतिहास विभाग प्रतिवेदन

श्री पुरोहित कुमार सोरी

कु. ज्योति देवाँगन

सत्र् 2015-16 से महाविद्यालय में इतिहास विषय की स्नातकोत्तर कक्षाएँ संचालित हैं। शैक्षणिक सत्र् 2020-21 में इतिहास विषय के अध्ययन के लिए स्नातक कक्षाओं, जिनमें बी.ए. भाग एक में - 92, बी.ए. भाग दो में - 75 और बी.ए. भाग तीन में - 86 एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं, जिनमें एम.ए. प्रथम सेमेस्टर में - 07 एवं तृतीय सेमेस्टर में - 05 छात्र-छात्राओं ने प्रवेश लिया।

इतिहास विभाग में अध्ययन के अतिरिक्त विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास संबंधी शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन हेतु इतिहास परिषद का गठन किया गया, जिसमें अध्यक्ष - कमलसाय (एम.ए. तृतीय सेमेस्टर), उपाध्यक्ष - रामेश्वर (एम.ए. प्रथम सेमेस्टर), सचिव - उषा (एम.ए. तृतीय सेमेस्टर), सह सचिव - कु. चैती (एम.ए. प्रथम सेमेस्टर), एवं कोषाध्यक्ष - रामचरण (एम.ए. प्रथम सेमेस्टर) को मनोनीत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. किरण नुरूटी, प्राचार्य शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागाँव तथा अध्यक्षता श्री पुरोहित कुमार सोरी, सहायक प्राध्यापक - इतिहास ने की। इस कार्यक्रम का सफल संचालन कु. ज्योति देवाँगन, जनभागीदारी सहायक प्राध्यापक - इतिहास ने किया।

स्वागत समारोह में एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं का स्वागत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। सत्र् 2016-17 में बस्तर विश्वविद्यालय, जगदलपुर की इतिहास विषय की परीक्षा में प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त सुश्री ज्योति देवाँगन को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। बी.ए. भाग - एक, बी.ए. भाग - दो एवं बी.ए. भाग - तीन में इतिहास विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी स्मृति चिन्ह प्रदान कर उत्साहवर्धन किया गया।

इतिहास विभाग के द्वारा सत्र् में विविध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इतिहास परिषद द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं के नाम तथा परिणाम निम्नानुसार है –

क्र.	प्रतियोगिता का नाम	परिणाम	नाम एवं कक्षा
1.	व्यंजन प्रतियोगिता	प्रथम	कु.मालती, एम.ए. तृतीय सेमेस्टर (इतिहास)
		द्वितीय	कु.प्रियंका, एम.ए. प्रथम सेमेस्टर (इतिहास)
		तृतीय	कु.शारदा, एम.ए. प्रथम सेमेस्टर (इतिहास)
2.	रंगोली प्रतियोगिता	प्रथम	कु.नेहा, एम.ए. प्रथम सेमेस्टर (इतिहास)
		द्वितीय	कु.प्रेमलता, एम.ए. प्रथम सेमेस्टर (इतिहास)
3.	प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता	प्रथम	कमलसाय, एम.ए. तृतीय सेमेस्टर (इतिहास)
		द्वितीय	कु.उषा, एम.ए. तृतीय सेमेस्टर (इतिहास)
4.	निबंध प्रतियोगिता	प्रथम	कु.चैती, एम.ए. प्रथम सेमेस्टर (इतिहास)
		द्वितीय	रामचरण, एम.ए. प्रथम सेमेस्टर (इतिहास)
5.	तात्कालिक भाषण	प्रथम	कु.प्रिया, एम.ए. प्रथम सेमेस्टर (इतिहास)
		द्वितीय	कु.प्रेमलता, एम.ए. तृतीय सेमेस्टर (इतिहास)

इतिहास विभाग के स्नातकोत्तर छात्र–छात्राओं में शोधपरक दृष्टिकोण जागृत करने के लिए विभागीय सेमिनार का आयोजन भी किया गया, जिसमें सभी विद्यार्थियों ने प्रश्न पत्रों से संबंधित विषयवस्तु पर आलेख तैयार कर प्रस्तुति दी और विचार विमर्श कर जानकारियाँ प्राप्त की। सत्र 2019–20 में इतिहास के भूतपूर्व छात्र दुर्गेश कुमार नेताम ने राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) उत्तीर्ण कर इतिहास विभाग का गौरव बढ़ाया।

सत्र् 2019–20 का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। स्नातकोत्तर इतिहास में कुल 14 विद्यार्थी अध्ययनरत थे, जिनका परीक्षा परिणाम शत–प्रतिशत रहा। इसके साथ ही बी.ए. भाग – एक, बी.ए. भाग – दो एवं बी.ए. भाग – तीन के विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम भी शत–प्रतिशत रहे। इस प्रकार इतिहास विभाग की छात्र–छात्राएँ एवं सहायक प्राध्यापक/अतिथि प्राध्यापक पूरे सत्र में अध्ययन के अलावा शैक्षणेत्तर गतिविधियों में सहभागिता प्रदान कर महत्वपूर्ण योगदान दिया।

श्री पुरोहित कुमार सोरी
विभागाध्यक्ष (इतिहास विभाग)

समाज शास्त्र विभाग

डॉ.(श्रीमती) किरण नुरूटी

श्री शिकलेश नरेटी

श्री हरीश चन्द्राकर

सामाजिक विज्ञानों में समाजशास्त्र की लोकप्रियता एवं महत्व दिनोंदिन बढ़ता ही जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में इस विज्ञान में अनेक नवीन अवधारणाओं एवं सिद्धांतों का विकास भी हुआ है। अनेक शोधकर्ताओं द्वारा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान भी किये गये हैं, जिनके परिणामस्वरूप समाजशास्त्रीय ज्ञान में काफी वृद्धि हुई है। आज भारत जैसे विकासशील राष्ट्र के लिए, जो विभिन्न योजनाओं के माध्यम से देश में नियोजित परिवर्तन लाना चाहता है, समाजशास्त्र के अध्ययन-अध्यापन की विशेष महत्ता है। केवल आर्थिक नियोजन के माध्यम से देश में व्याप्त सभी समस्याओं को हल नहीं किया जा सकता। इसके लिए आवश्यक है कि समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण अपनाते हुए सामाजिक समस्याओं का विश्लेषण किया जाये, कार्य-कारण सम्बन्धों का पता लगाया जाये, तथ्यों को यथार्थ रूप में चिन्हित किया जाये और समस्याओं के निराकरण हेतु नियोजकों एवं प्रशासकों को प्रमाणिक सामग्री उपलब्ध करायी जाये। इस हेतु सर्वप्रथम समाजशास्त्र की प्रमुख अवधारणाओं एवं सिद्धांतों से भली भांति परिचित होना नितांत आवश्यक है। इनको समझकर ही भारतीय सामाजिक संरचना में होने वाले महत्वपूर्ण परिवर्तनों का पता लगाया जा सकता है और उन्हीं के अनुरूप नियोजन को दिशा दी जा सकती है। यह कार्य समाजशास्त्र उसी समय उत्तमता के साथ कर सकता है, जब समाज की प्रकृति उनके विभिन्न आधारों तथा एकीकरण एवं पृथक्करण करने वाली सामाजिक प्रक्रियाओं को सही रूप में समझा जाये।

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागाँव में सत्र् 1982 से स्नातक स्तर पर समाजशास्त्र विषय में कक्षाएँ संचालित हैं तथा स्नातकोत्तर स्तर पर सत्र् 1986 से नियमित कक्षाएँ संचालित हो रही हैं।

PROFILE OF FAUCULTY MEMBERS

क्र.	नाम	पद	शैक्षणिक योग्यता	अनुभव वर्ष
1.	डॉ. किरण नुरूटी	सहायक प्राध्यापक	Ph.D समाजशास्त्र	32
2.	शिकलेश नरेटी	जनभागीदारी सहायक प्राध्यापक	M.A. Sociology, SET-Sociology	04
3.	हरीश चन्द्राकर	अतिथि सहायक प्राध्यापक	M.SW. M.A. Sociology PGDC.A	04

समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. किरण नुरूटी, शोध निर्देशक समाजशास्त्र (शहीद महेन्द्र कर्मा वि.वि. बस्तर से संबद्ध) के रूप में कार्यरत हैं।

सत्र 2020-21 समाजशास्त्र विषय में पंजीकृत विद्यार्थी निम्नानुसार हैं :-

क्र.	कक्षा का नाम	छात्र	छात्रा	योग
1.	बी.ए. प्रथम	40	50	90
2.	बी.ए. द्वितीय	39	46	85
3.	बी.ए. तृतीय	50	38	88
4.	एम.ए. I Sem	00	01	01
5.	एम. ए. III Sem	02	01	03

सत्र 2019-20 का वार्षिक परीक्षा परिणाम निम्नानुसार है :-

क्र.	कक्षा का नाम	परीक्षा में सम्मिलित विद्यार्थियों की संख्या	उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या	अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या	उत्तीर्ण
1.	बी.ए. प्रथम	90	88	02	97.77%
2.	बी.ए. द्वितीय	60	59	01	98.33%
3.	बी.ए. तृतीय	74	72	02	97.29%
4.	एम.ए. पूर्व	03	03	00	100%
5.	एम.ए. अंतिम	06	06	00	100%

समाजशास्त्र विभाग द्वारा महाविद्यालय के सभागृह में एक दिवसीय कार्यक्रम 'व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास' विषय पर रखा गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य एवं समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. किरण नुरूटी ने की तथा आयोजक समिति में समाजशास्त्र विभाग के अतिथि प्राध्यापक श्री हरीश चन्द्राकर एवं श्री सिकलेश नरेटी थे। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक एवं अतिथि प्राध्यापक उपस्थित रहे। स्नातक एवं स्नातकोत्तर के समाजशास्त्र विषय के विद्यार्थी भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. किरण नुरूटी ने कहा कि विद्यार्थियों में शिक्षा के माध्यम से ही व्यक्तित्व का विकास हो पायेगा तथा सभी प्राध्यापक विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु विद्यार्थियों को प्रोत्साहन किये।

वर्तमान परिस्थिति में शैक्षणिक गतिविधियों कोविड-19 की वजह से प्रभावित हुई हैं तथा अधिकतम कक्षाएँ ऑनलाइन द्वारा संचालित की गई।

डॉ.श्रीमती किरण नुरूटी
विभागाध्यक्ष (समाज शास्त्र विभाग)

अर्थशास्त्र विभाग प्रतिवेदन

डॉ. देवाशीष हालदार

श्री गजेन्द्र वर्मा

श्री जगदीश वर्मा

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागाँव में अर्थशास्त्र विभाग में स्नातक और स्नातकोत्तर की कक्षाएँ संचालित हो रही हैं। अर्थशास्त्र विभाग में 01 पद प्राध्यापक और 02 पद सहायक प्राध्यापक हेतु स्वीकृत है। वर्तमान में नियमित सहायक प्राध्यापक पद के रूप में डॉ. देवाशीष हालदार और दो अतिथि सहायक प्राध्यापक के रूप में श्री गजेन्द्र वर्मा और श्री जगदीश वर्मा कार्यरत हैं।

शैक्षणिक सत्र 2020-21 में एम.ए. अर्थशास्त्र प्रथम सेमेस्टर में 11 विद्यार्थी, जिसमें 10 छात्राएँ और 01 छात्र और एम.ए. तृतीय सेमेस्टर में 11 विद्यार्थी जिसमें 05 छात्राएँ और 06 छात्रों ने प्रवेश लिया है। इसी प्रकार स्नातक स्तर पर B.A. I में कुल 89 विद्यार्थियों में 43 छात्राएँ और 46 छात्रों ने प्रवेश लिया है। B.A. II में 50 विद्यार्थी, जिसमें 23 छात्राएँ और 27 छात्रों ने और B.A. III में 56 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया, जिसमें 32 छात्राएं और 24 छात्र हैं।

शैक्षणिक सत्र 2019-20 का परिणाम निम्नानुसार है -

क्र.	कक्षा का नाम	परीक्षा में विद्यार्थियों की संख्या			उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या			अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या			उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत
		Male	Female	Total	Male	Female	Total	Male	Female	Total	
1.	B.A. I	28	17	45	28	17	45	00	00	00	100%
2.	B.A. II	17	22	39	17	22	39	00	00	00	100%
3.	B.A. III	03	02	05	03	02	05	00	00	00	100%
4.	M.A. I Sem	06	05	11	06	05	11	00	00	00	100%
5.	M.A. II Sem	06	05	11	06	05	11	00	00	00	100%
6.	M.A. III Sem	05	10	15	05	10	15	00	00	00	100%
7.	M.A. IV Sem	05	10	15	05	10	15	00	00	00	100%

* अर्थशास्त्र विभाग के द्वारा UGC (Swayam) शिक्षक दिवस और National Webinar (Organizing Secretary) का सफल आयोजन किया गया।

डॉ. देवाशीष हालदार

विभागाध्यक्ष (अर्थशास्त्र विभाग)

भूगोल विभाग प्रतिवेदन

श्री समलेश पोटाई

सुश्री किरण मरकाम

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागाँव में भूगोल विभाग में स्नातक एवं स्नातकोत्तर की कक्षाएँ संचालित हो रही हैं। भूगोल विभाग में 02 पद प्राध्यापक व सहायक प्राध्यापक हेतु स्वीकृत है। वर्तमान में अतिथि प्राध्यापक के पद पर श्री समलेश पोटाई एवं सुश्री किरण मरकाम सेवारत हैं।

शैक्षणिक सत्र् 2020-21 में एम.ए. (भूगोल) प्रथम सेमेस्टर में 04 विद्यार्थी, जिसमें 02 छात्र एवं 02 छात्रा और एम.ए.(भूगोल) तृतीय सेमेस्टर में 13 विद्यार्थी, जिसमें 04 छात्र और 09 छात्राओं ने प्रवेश लिया है। इसी प्रकार स्नातक पर बी.ए.प्रथम वर्ष में कुल 88 विद्यार्थियों, जिसमें 41 छात्र व 47 छात्राओं ने प्रवेश लिया है। बी.ए. द्वितीय वर्ष में 32 छात्र और 34 छात्राएं कुल 66 विद्यार्थीयों ने प्रवेश लिया है। बी.ए. तृतीय वर्ष में 28 छात्र और 55 छात्राएँ कुल 83 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। शैक्षणिक सत्र 2019-20 का परीक्षा परिणाम निम्नानुसार है –

क्र.	कक्षा का नाम	परीक्षा में प्रविष्ट विद्यार्थियों की संख्या			उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या			अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या			उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत
		छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग	
1.	बी.ए.प्रथम वर्ष	32	34	66	31	34	65	01	00	01	98.49%
2.	बी.ए.द्वितीय वर्ष	27	54	81	27	54	81	00	00	00	100%
3.	बी.ए.तृतीय वर्ष	08	04	12	08	04	12	00	00	00	100%
4.	एम.ए.भूगोल-I सेमे.	04	09	13	04	09	13	00	00	00	100%
5.	एम.ए.भूगोल-III सेमे.	12	09	21	12	09	21	00	00	00	100%

महविद्यालय में भूगोल परिषद का गठन दिनांक 20.03.2021 को किया गया। भूगोल परिषद गठन के साथ ही विभिन्न पदों का मनोनयन उच्चतम अंकों के आधार पर निम्नानुसार किया गया है।

अध्यक्ष	–	कु.चुनेश्वरी सलाम
उपाध्यक्ष	–	उग्रेश यादव
सचिव	–	राजीव
सहसचिव	–	तुरेन्द्र देवांगन
सदस्य	–	कु.आरती पिन्ना पल्ली, कु.ललिता रावटे कु.नन्दनी सिदार, कु. दिपिका बघेल कु.सीमा बघेल, धनी राम देवांगन

दिनांक 22.03.2021 को विश्व जल दिवस के अवसर पर भौगोलिक मानचित्र प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें एम.ए.(भूगोल) III सेमे. के कुल 13 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें प्रथम स्थान कु.चुनेश्वरी सलाम, द्वितीय स्थान कु.नन्दनी सिदार एवं तृतीय स्थान धनीराम नेताम ने प्राप्त किया। विभाग के समस्त कार्यक्रमों को सफल बनाने में अतिथि प्राध्यापक सुश्री किरण मरकाम का योगदान सराहनीय रहा है।

समलेश पोटाई
अतिथि प्राध्यापक (भूगोल विभाग)

राजनीति विज्ञान विभाग

श्री सोनल मेश्राम

श्रीमती गायत्री ठाकुर

महाविद्यालय में बी.ए. (राजनीति विज्ञान) एवं एम.ए.राजनीति विज्ञान की कक्षाएँ सुचारू रूप से संचालित की जा रही हैं। राजनीति विज्ञान विषय में सत्र 2020-21 में स्नातक के 249 नियमित छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं एवं एम.ए. स्नातकोत्तर में 8 नियमित छात्र-छात्राएँ हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.(श्रीमती) किरण नुरूटी एवं समस्त सहायक प्राध्यापक के मार्गदर्शन में अतिथि सहायक प्राध्यापक श्री सोनल मेश्राम एवं श्रीमती गायत्री ठाकुर कार्यरत हैं।

सत्र् 2020-21 में प्रवेशित छात्र-छात्राओं की जानकारी निम्नानुसार है -

Class	Students			Class	Students		
	Male	Female	Total		Male	Female	Total
B.A. First Year	55	35	90	M.A. First Sem.	02	01	03
B.A. Second Year	50	36	86	M.A. Third Sem.	01	04	05
B.A. Third Year	50	23	73				

शैक्षणिक सत्र 2019-20 का परीक्षा परिणाम निम्नानुसार है -

क्र.	कक्षा का नाम	परीक्षा में प्रविष्ट विद्यार्थियों की संख्या			उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या			अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या			उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत
		छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग	
1.	बी.ए. प्रथम वर्ष	64	34	98	62	31	95	02	03	05	93%
2.	बी.ए. द्वितीय वर्ष	54	32	86	52	30	82	02	02	04	94%
3.	बी.ए. तृतीय वर्ष	52	24	76	49	22	71	03	02	05	93%
4.	एम.ए. प्रथम सेमेस्टर	03	01	04	03	01	04	00	00	00	100%
5.	एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	04	02	06	04	02	06	00	00	00	100%

सोनल मेश्राम

अतिथि प्राध्यापक (राजनीति विज्ञान)

गृहविज्ञान विभाग प्रतिवेदन

श्रीमती अनिता चन्द्राकर

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागाँव में बी.ए. 'गृहविज्ञान' विभाग के द्वारा सत्र 2020–21 में गृहविज्ञान की कक्षाएँ संचालित हैं। गृहविज्ञान विभाग में 01 पद सहायक प्राध्यापक हेतु स्वीकृत है। वर्तमान में अतिथि प्राध्यापक के पद पर श्रीमती अनिता चन्द्राकर और प्रयोगशाला कार्य हेतु सुश्री अंजना पराते सेवारत हैं। शैक्षणिक सत्र् 2020–21 में B.A. Home Seience I year स्नातक में 05 छात्राओं ने प्रवेश लिया है। B.A. Home Seience II year में कुल18 छात्राओं ने प्रवेश लिया है। इसी प्रकार B.A. Home Seience III year में 03 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है, जिसमें एक छात्र भी सम्मिलित है।

शैक्षणिक सत्र 2019–20 का परीक्षा परिणाम निम्नानुसार है –

क्र.	कक्षा का नाम	परीक्षा में प्रविष्ट विद्यार्थियों की संख्या			उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या			अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या			उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत
		छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग	
1.	B.A. I Home Seience	00	14	14	00	14	14	00	00	00	100%
2.	B.A. II Home Seience	01	00	01	01	00	01	00	00	00	100%
3.	B.A. III Home Seience	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

गृह विज्ञान विभाग में प्रयोगशाला कार्य के अतिरिक्त छात्र एवं छात्राओं को सामूहिक रूप से साफ–सफाई की ओर प्रेरित किया जाता है। प्रयोगशाला में प्रोजेक्ट के तौर पर "फ्लावर डेकोरेशन" एवं 'कुकिंग' का कार्य भी करवाया जाता है, जिसके अन्तर्गत अनेक प्रकार के भोज्य पदार्थो में खनिज एवं विटामिन की पहचान करना सीखाया जाता है। डाइट–चार्ट के द्वारा विद्यार्थियों को जानकारी दी जाती है।

श्रीमती अनिता चन्द्राकर
अतिथि प्राध्यापक (गृहविज्ञान)

रसायन शास्त्र विभाग प्रतिवेदन

श्री नसीर अहमद

डॉ. आशीष कुमार आसटकर

श्रीमती चित्रकिरण पटेल

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागाँव में प्रारंभ से स्नातक स्तर पर 'रसायन शास्त्र' विषय में अध्ययन के साथ स्नातकोत्तर स्तर के अध्ययन की सुविधा सन् 2015 से प्रारंभ हुई। वर्तमान सत्र् तक कुल पाँच बैच के छात्र अध्ययन कर उत्तीर्ण हो चुके हैं। रसायन शास्त्र विभाग में एक प्राध्यापक तथा दो सहायक प्राध्यापक के पद स्वीकृत हैं, जिनके विरूद्ध महाविद्यालय में तीन नियमित सहायक प्राध्यापक पदस्थ हैं। वर्तमान में रसायनशास्त्र विभाग में विभागाध्यक्ष के रूप में श्री नसीर अहमद तथा सहायक प्राध्यापक के पद पर डॉ. आशीष कुमार आसटकर एवं श्रीमती चित्र किरण पटेल पदस्थ हैं। स्नातकोत्तर स्तर पर एम.एससी. रसायन शास्त्र में इस सत्र् में प्रथम सेमेस्टर में 25 छात्रों ने प्रवेश लिया है तथा सत्र् 2019-20 में प्रवेशित छात्रों में से इस सत्र में एम.एससी. तृतीय सेमेस्टर में 24 छात्र-छात्राएँ अध्ययनरत हैं।

शैक्षणिक सत्र 2019-20 का परीक्षा परिणाम निम्नानुसार है -

No.	Name of Class	Appeared			Passed			Failed			Percentage of Passed Student
		Male	Female	Total	Male	Female	Total	Male	Female	Total	
1.	B.Sc. I	68	91	159	67	91	158	01	00	01	99.4%
2.	B.Sc. II	37	36	73	37	36	73	00	00	00	100%
3.	B.Sc. III	30	45	75	29	45	74	01	00	01	98.6%
4.	M.Sc. II Sem.	11	14	25	11	14	25	00	00	00	100%
5.	M.Sc. IV Sem.	07	14	21	07	14	21	00	00	00	100%

कोविड-19 महामारी के चलते वर्तमान शिक्षा सत्र अपने निर्धारित समय पर प्रारंभ न होकर विलम्ब से प्रारंभ हुआ और शुरूआत की अधिकांश कक्षाएँ ऑनलाईन ही ली गई।

केमिकल सोसायटी :- अध्ययन के साथ ही अन्य शैक्षणेत्तर गतिविधियों, जिसमें अधिकांशतः विज्ञान और रसायन शास्त्र के प्रति रूचि उत्पन्न करने के उदेश्य से प्रतिवर्ष रसायन शास्त्र विभाग में विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए केमिकल सोसायटी का गठन किया जाता है। इसी कड़ी में इस वर्ष दिनांक 25 फरवरी 2021 को केमिकल सोसायटी का गठन किया गया।

केमिकल सोसायटी

संरक्षक	:– श्रीमती चित्र किरण पटेल
अध्यक्ष	:– कु. नेहा सिंह M.Sc. III Sem.
उपाध्यक्ष	:– सुमीत कुमार M.Sc. III Sem.
सचिव	:– आंचल तुरकर M.Sc. I Sem.
सहसचिव	:– पूर्वेश कुमार शार्दूल M.Sc. I Sem.
कोषाध्यक्ष	:– संजीव कुमार M.Sc. III Sem.

केमिकल सोसायटी द्वारा 30 मई 2020 को "Awareness of Online Study/Learning Platforms as an outbreak of the Pandemic Covid-19" विषय पर राष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन क्विज का आयोजन किया गया था, जिसमें तत्कालीन महामारी कोविड–19 के चलते उच्च शिक्षा और इसकी शिक्षण पद्धति में आये परिवर्तनों, जिसमें खासतौर पर ऑनलाइन अध्ययन–अध्यापन शामिल है, के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रश्न शामिल किये गये थे। इसमें 500 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें से 50% अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को ई–सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। केमिकल सोसायटी रसायन शास्त्र विभाग के तत्वावधान में 16 सितम्बर 2020 को ओजोन दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिवर्ष जन सामान्य में ओजोन पर्त के संरक्षक हेतु जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक थीम रखी जाती है। ओजोन परत संरक्षण के 35 वर्ष होने के उपलक्ष्य में इस वर्ष की थीम "ओजोन फॉर लाइफ" रखी गई थी। एम.एस.सी रसायन शास्त्र और केमिकल सोसायटी के छात्रों ने अपनी डिजिटल सहभागिता देने के उद्देश्य से ओजोन संरक्षण का संदेश देते हुए सेल्फी कोलाज बनाकर भेजा। इसी अवसर पर ओजोन पर्त और संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय ई–क्विज का आयोजन भी किया गया, जिसमें देशभर के 500 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

महान वैज्ञानिक और भारत रत्न डॉ. सी.वी.रमन के रमन प्रभाव की खोज के सम्मान में प्रतिवर्ष 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पूरे देश में मनाया जाता है। इस अवसर पर महाविद्यालय की केमिकल सोसायटी के तत्वावधान में "साइंस टेक्नोलॉजी और इन्नोवेशन" थीम पर दिनांक 27 फरवरी 2021 को चित्रकला, रंगोली, मेहंदी, निबंध, लेखन, नारा लेखन और विज्ञान प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया था, जिसमें महाविद्यालयीन छात्रों ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया। इसके साथ ही राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 फरवरी 2021 को राष्ट्रीय स्तर पर ई–क्विज का आयोजन किया गया, जिसमें देश भर से 700 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

6 मार्च को केमिकल सोसायटी रसायन शास्त्र विभाग के तत्वावधान में ई –रिसोर्सेज फॉर क्वाण्टम विषय पर महाविद्यालय सभागार में शासकीय आत्मानंद महाविद्यालय, नारायणपुर के रसायन शास्त्र के सहा.प्रा. डॉ. सुमीत कुमार श्रीवास्तव के द्वारा व्याख्यान दिया गया, जिसमें उन्होंने स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर क्वाण्टम फिजिक्स और क्वाण्टम केमेस्ट्री की विशेषता और उपयोगिता के साथ ही इन्टरनेट पर उपलब्ध विभिन्न ई रिसोर्सेस जैसे– ई.पी.जी. पाठशाला, NDL, N-LIST, Youtube की विभिन्न लिंक्स इत्यादि के बारे में विस्तार से समझाया। इसमें महाविद्यालय के रसायन शास्त्र के समस्त स्नातकोत्तर छात्र छात्राओं के साथ ही बीएससी के 50 छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर आयोजित प्रतियोगिताओं के परिणाम निम्नानुसार हैं :

विधा	स्थान	नाम व कक्षा
रंगोली	प्रथम	खुशबू पटेल (एम कॉम प्रथम वर्ष)
	द्वितीय	पल्लवी वैध (बी.एस सी. द्वितीय वर्ष)
मेहंदी	प्रथम	सना परवीन (बी.एस सी. तृतीय वर्ष)
	द्वितीय	तपस्या कौल (बी.एस सी. तृतीय वर्ष)
चित्रकला	प्रथम	तपस्या कौल (बी.एस सी. तृतीय वर्ष)
	द्वितीय	अलखनंदनी कौल (बी.ए. प्रथम वर्ष)
निबंध	प्रथम	प्रतीक्षा यादव (बी.एस सी. तृतीय वर्ष)
	द्वितीय	युक्ता गोल्छा (बी.ए. प्रथम वर्ष)
नारा लेखन	प्रथम	नेहा सेठिया
	द्वितीय	शारदा निषाद (बी.एस सी. द्वितीय वर्ष)

विधा	स्थान	नाम व कक्षा
विज्ञान प्रश्नोत्तरी	प्रथम	1. ईश्वर नेताम (बी.एस सी. तृतीय वर्ष)
		2. नेहा मरकाम (बी.एस सी. द्वितीय वर्ष)
		3. उदय पंडा (बी.एस सी. प्रथम वर्ष)
		4. गौरव देवांगन (बी.एस सी. द्वितीय वर्ष)
	द्वितीय	1. गागरू काव्य (बी.एस सी. द्वितीय वर्ष)
		2. सुरेन्द्र पटेल (बी.एस सी. प्रथम वर्ष)
		3. रवि कुमार (बी.एस सी. तृतीय वर्ष)
		4. उमेश कुमार (बी.एस सी. तृतीय वर्ष)

उपलब्धि :–

(i) रसायन शास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. आशीष कुमार आसटकर के 3 शोध पत्र इस शिक्षा सत्र में अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं, जो इस प्रकार हैं :

(1) Journal of Molecular Liquid में DOI से - 10.1016/ j.molliq. 2020. 113651

(2) Journal of Molecular Structure में DOI से - 10.1016/ j.molstruc. 2020. 128771

(3) Journal of Bio-and. Tribo-corrosion में DOI से - 10.1007/ s 40735-020-00447-7

(ii) डॉ. आशीष कुमार आसटकर प्रदेश के अन्य महाविद्यालयों में होने वाली लेक्चर सीरीज और सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए हैं, जो इस प्रकार है :

(1) K.R. Mangalam University, NCR New Delhi में Guest Lecture

(2) Rungta College of Science & Technology, Durg में Guest Lecture

(3) APSGMNS Govt. P.G. College & Govt. RVRS Girls College Kawardha (C.G.) में Online Lecture series में lecture

(iii) विभाग के विभागाध्यक्ष तथा सहायक प्राध्यापक श्री नसीर अहमद द्वारा भी शासकीय महा. धरसींवा की ऑनलाइन लेक्चर सीरीज में दिनांक 3 मार्च 2021 को बीएससी द्वितीय वर्ष के छात्रों को उप सह संयोजी तत्वों का रसायन विषय पर व्याख्यान दिया गया।

(ii) श्री नसीर अहमद को नैक मूल्यांकन और प्रत्यानयन के लिए उच्चशिक्षा विभाग छ.ग. द्वारा गठित जिला स्तरीय नैक समिति में सदस्य के रूप में शामिल किया गया है, जिसमें वे तकनीकी विशेषज्ञ के तौर पर जिले के अन्य महाविद्यालयों को नैक मूल्यांकन करवाने हेतु जरूरी तकनीकी पहलुओं पर सहायता करते हैं।

श्री नसीर अहमद
विभागाध्यक्ष (रसायन शास्त्र)

प्राणी शास्त्र विभाग प्रतिवेदन

श्री शोभा राम यादव

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागाँव में वर्ष 1986 से बी.एस.सी. पाठ्यक्रम अंतर्गत प्राणी विज्ञान विषय का संचालन किया जा रहा है। वर्तमान में विभागाध्यक्ष श्री शोभाराम यादव, प्रयोगशाला तकनीशियन श्रीमती ज्योति ओसवाल एवं प्रयोगशाला परिचालक श्री विनोद कुमार कश्यप कार्यरत हैं। प्राणी शास्त्र विभाग में स्नातक स्तर की सुविकसित प्रयोगशाला उपलब्ध है, जहाँ पर प्रायोगिक कार्य हेतु स्पेशीमेन, स्थाई स्लाईड, प्रोजेक्टर, संयुक्त सूक्ष्मदर्शी, फेज कान्ड्राक्ट, पोलेराजिंग, pH मीटर, इन्क्यूनेटर, थेंम्बर, ओवन, क्रोमेटाग्रॉफी चेम्बर ग्लाश टेंक आदि उपकरण उपलब्ध हैं। विभाग के द्वारा प्रयोग कार्य में छात्र स्थल अध्ययन (Field Study), क्वाड्रेट विधि द्वारा प्रणियों की बहुलता, आवृत्ति, घनत्व का अध्ययन किया जाता है एवं परियोजना कार्य के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के चार्ट एवं मॉडल, फ्लेक्स चार्ट तैयार किया जाता है। वर्ष 2019 –20 में बी.एस.सी. प्रथम वर्ष में कुल 125 विद्यार्थियों, जिसमें 46 छात्र तथा 79 छात्राएँ परीक्षा में सम्मिलित हुए, जिनका परीक्षा परिणाम शत् प्रतिशत् रहा। बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष में 66 विद्यार्थी, जिसमें 24 छात्र एवं 42 छात्राएँ परीक्षा में सम्मिलित रहे, जिनका परीक्षा परिणाम शत् प्रतिशत रहा। वर्तमान में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संख्या निम्नानुसार है :–

No.	Name of Class	Student
1.	B.Sc. I	120
2.	B.Sc. II	120
3.	B.Sc. III	80

शोभा राम यादव

विभागाध्यक्ष (प्राणी शास्त्र विभाग)

वनस्पति शास्त्र विभाग

श्री शशिभूषण कन्नौजे

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागाँव में वनस्पति शास्त्र विषय की कक्षाएँ B.Sc. त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम के अंतर्गत सन् 1984 से संचालित हैं। वनस्पति शास्त्र विभाग में विभागाध्यक्ष के रूप में श्री शशिभूषण कन्नौजे, सहायक प्राध्यापक वनस्पतिशास्त्र तथा श्री राम सेवक पैकरा, प्रयोगशाला तकनीशीयन व शायरा बेगम कुरैशी, प्रयोगशाला परिचालक के पद पर कार्यरत हैं। विभाग में स्नातक स्तर की प्रयोगशाला उपलब्ध है, जहाँ पर compaund micro scope, कॉनट्रास्ट क्रेज micro scope, ईनक्यूबेटर, ओवन, आटोक्लैव मशीन एवं अन्य प्रयोगशाला उपकरण विद्यार्थियों के प्रायोगिक कार्य के लिए उपलब्ध है। वनस्पतिशास्त्र विभाग के द्वारा फील्ड वर्क के अन्तर्गत आसपास के क्षेत्रों में भ्रमण कराया जाता है एवं क्षेत्र के पौधों का परिचय कराकर हारबेरियम फाइल तैयार किया जाता है। छ.ग. में पाये जाने वाले औषधि पादपों का आर्थिक महत्व पर प्रोजेक्ट फाइल तैयार कराया जाता है। वनस्पतिशास्त्र के विभाग द्वारा इको क्लब का संचालन किया जाता है, जिसके अंतर्गत इको क्लब के सदस्यों के द्वारा पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विविध कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है एवं विभिन्न प्रजातियों के पौधारोपण करने एवं उनके संरक्षण पर जोर दिया जाता है। लाईफ साइंस विभाग के द्वारा विषय से संबंधित मॉडल, चार्ट एवं फैलेक्सी तैयार कराये जाते हैं।

सत्र् 2019-20 में B.Sc. प्रथम वर्ष में 125 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिसमें 46 छात्र एवं 79 छात्राएं शामिल थीं और सभी 125 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। B.Sc. द्वितीय वर्ष में 60 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिसमें 28 छात्र एवं 32 छात्राएं शामिल थे, जिसका परीक्षा परिणाम शत् प्रतिशत रहा। B.Sc. अंतिम वर्ष में 66 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिसमें 24 छात्र एवं 42 छात्राएं शामिल थे, जिसका परीक्षा परिणाम शत् प्रतिशत रहा है।

शशिभूषण कन्नौजे
विभागाध्यक्ष (वनस्पतिशास्त्र विभाग)

भौतिकी विभाग

कु. मोनिका देवाँगन

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागाँव में भौतिकी विषय में स्नातक स्तर के अध्ययन की सुविधा उपलब्ध है । भौतिकी विभाग में एक सहायक प्राध्यापक पद स्वीकृत है । वर्तमान में भौतिकी विभाग में कु. मोनिका देवाँगन अतिथि व्याख्याता के रूप में पदस्थ हैं ।

इस वर्ष सत्र् 2020-21 में बी.एस.सी भाग 1,2,3, में प्रवेशित विद्यार्थियों का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	कक्षा का नाम	प्रवेशित विद्यार्थियों की कुल संख्या		
		छात्र	छात्रा	योग
1.	B.Sc. I	36	18	54
2.	B.Sc. II	34	20	54
3.	B.Sc. III	17	12	29

शैक्षणिक सत्र 2019-20 का परीक्षा परिणाम निम्नानुसार है -

क्र.	कक्षा का नाम	परीक्षा में प्रविष्ट विद्यार्थियों की संख्या			उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या			अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या			उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत
		छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग	
1.	बी.एस.सी. प्रथम	32	16	48	31	16	47	01	00	01	97%
2.	बी.एस.सी. द्वितीय	11	05	16	11	05	16	11	05	16	100%
3.	बी.एस.सी. तृतीय	10	04	15	11	04	15	11	04	15	100%

कोविड-19 महामारी के कारण यह शिक्षा सत्र कुछ विलंब से शुरू हुआ और प्रारंभ की अधिकांश कक्षाएँ ऑनलाइन ही ली गई । छ.ग.शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार ऑफलाईन कक्षाएँ दिनांक 24 फरवरी 2021 से शुरू की गई ।

कु. मोनिका देवाँगन

अतिथि प्राध्यापक(भौतिकी)

गणित विभाग

कु. महक बक्शी

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागाँव में गणित विषय में दिनांक 22 दिसम्बर 2020 को गणित विभाग के द्वारा राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर ई-क्विज एवं वेबिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि शास. गुण्डाधूर स्नात. महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. किरण नुरूटी थी। उनके द्वारा प्रो. रामानुजन के जीवन के संघर्ष से सीखने व प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया गया। विभागाध्यक्ष कु. महक बक्शी के द्वारा गणित की उपयोगिता के बारे में बताया और उक्त कार्यक्रम Zoom Application के माध्यम से सम्पन्न हुआ था। ई-क्विज में लगभग 510 छात्रों ने भाग लिया तथा वेबिनार में 200 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

समय-समय पर गणित विभाग के द्वारा छात्र-छात्राओं को शोधक्षेत्र, लेखन और रोजगार-मुखी क्षेत्रों में जाने के लिए प्रेरित किया जाता है। सीमित संसाधनों के बाद भी विद्यार्थियों के उत्तरोत्तर प्रगति के लिए विभाग हमेशा तत्परता के साथ खड़ा रहता है।

सत्र 2020-21 में गणित विभाग में प्राप्त आवेदनों की स्थिति निम्नानुसार है :-

क्र.	कक्षा	संख्या	प्राप्त आवेदन	छात्र	छात्रा	योग
1.	B.Sc. I	60	193	33	19	52
2.	B.Sc. II	60	53	33	20	53
3.	B.Sc. III	60	30	19	11	30
4.	M.Sc. I Sem.	20	62	02	05	07
5.	M.Sc. III Sem.	20	02	00	02	02

Session 2019-20 Result

		Appeared			Passed			Failed			Percentage of Passed Student
No.	Name of Class	Male	Female	Total	Male	Female	Total	Male	Female	Total	
1.	B.Sc. I	32	16	48	31	16	47	01	00	01	96.88%
2.	B.Sc. II	11	05	16	11	05	16	00	00	00	100%
3.	B.Sc. III	10	05	15	10	05	15	00	00	00	100%
4.	M.Sc. II Sem	00	02	02	00	02	02	00	00	00	100%
5.	M.Sc. IV Sem	00	04	04	00	04	04	00	00	00	100%

कु. महक बक्शी
अतिथि प्राध्यापक (गणित विभाग)

कम्प्यूटर साईंस प्रतिवेदन

श्री रवि सूर्यवंशी

कु. निशा भोई

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागाँव में कम्प्यूटर साईंस विभाग के द्वारा सत्र 2020-21 में नियमित अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को दिनांक 13 मार्च 2021 को महाविद्यालय के सभागृह भवन में प्राचार्य डॉ. श्रीमती किरण नुरूटी एवं समस्त सहायक प्राध्यापकों की उपस्थिति में बी.एससी. एवं बी.सी.ए. के छात्र-छात्राओं के लिए कम्प्यूटर हार्डवेयर एवं कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर का एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में हार्डवेयर पर कम्प्यूटर के विभिन्न पार्ट जैसे RAM, ROM, Processor, HDD, Mother Board, I/o Port, Computer Assembling and Computer formating आदि एवं सॉफ्टवेयर के लिए व वेबसाइट डिजाइन के लिए HTML एवं HTML 5 Language के आधार पर वेबसाइट बनाने की प्रक्रिया एवं उनकी उपयोगिता के बारे में अतिथि प्राध्यापक श्री रवि कुमार सूर्यवंशी के द्वारा बताया गया, जिसमें लगभग 50-60 छात्र-छात्रायें सम्मिलित होकर लाभान्वित हुए। B.Sc. II Year के छात्रों को एक Miner Project के अंतर्गत बस्तर Tourism Place के नाम से Offline website Project तैयार करने की प्रक्रिया को समझाया गया।

महाविद्यालय में B.Sc. Computer Application की कक्षाएँ सन् 2013 से बस्तर विश्‍वविद्यालय के द्वारा सुचारू रूप से संचालित की जा रही है। सत्र 2020-21 में 40 नियमित छात्र-छात्रायें अध्ययनरत हैं। वर्ष 2020-21 में बस्तर विश्‍वविद्यालय द्वारा नवीन कोर्स BCA विषय की कक्षाएँ संचालित की जा रही हैं। BCA के लिए इस वर्ष 50 सीटों की अनुमति बस्तर विश्‍वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है। BCA में 5 छात्र-छात्रायें प्रवेशित हैं, जिसमें 2 छात्र एवं 3 छात्रायें सम्मिलित हैं।

Students Details

No.	Name of Class	Male	Female	Total
1.	B.Sc. I	12	03	15
2.	B.Sc. II	16	06	19
3.	B.Sc. III	04	04	08

No.	Name of Class	Male	Female	Total
1.	BCA. I	02	03	05
2.	BCA. II	00	00	00
3.	BCA. III	00	00	00

रवि सूर्यवंशी
अतिथि प्राध्यापक (कम्प्यूटर साईंस)

वाणिज्य विभाग प्रतिवेदन

श्री हनी चोपड़ा

श्री रविकांत शांडिल्य

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागाँव में वाणिज्य संकाय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर की शिक्षा दी जाती है। इस विभाग में अध्ययन कर चुके अनेक छात्र-छात्राओं ने अपना नाम न केवल पढ़ाई के क्षेत्र में, अपितु खेलकूद के क्षेत्र में भी अपना, विभाग और महाविद्यालय का नाम रोशन किया। छ.ग.राज्य पात्रता परीक्षा (SET 2019) में संकाय की छात्रा कु.तारिका जैन ने प्रथम प्रयास में सफलता अर्जित कर ली थी। इसी प्रकार परीक्षा सत्र 2019-20 में बस्तर विश्वविद्यालय की स्नातक की परीक्षा में संकाय की छात्रा कु.सिमरन चावड़ा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। हम अपने विभाग में न केवल पढ़ाई, बल्कि रोजगार, शोध-पत्र लेखन , बजट-सत्र आदि जैसे आर्थिक विषयों पर भी चर्चा एवं सुझाव देते हैं और विद्यार्थियों को अतिथियों के द्वारा भी समय-समय पर मार्गदर्शन दिया जाता है।

दिनांक 15 मई 2021 को विश्व उपभोक्ता दिवस के अवसर पर विभाग के द्वारा एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. किरण नुरूटी थीं। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष श्री हनी चोपड़ा के द्वारा विद्यार्थियों को विश्व उपभोक्ता दिवस के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए उपभोक्ताओं को अपने अधिकारों के बारे में बताया गया और लोगों को भी उनके अधिकारों के बताने के लिये प्रेरित किया, ताकि सभी उपभोक्ताओं को अपने अधिकारों के बारे में पता चले।

सत्र 2020-21 में वाणिज्य संकाय में प्राप्त आवेदनों की स्थिति निम्नानुसार है :

क्र.	कक्षा	संख्या	प्राप्त आवेदन	प्रवेशित छात्र छात्राएं		
				छात्र	छात्रा	योग
1.	B.Com I	75	234	43	12	75
2.	B.Com II	75	59	41	18	59
3.	B.Com III	75	20	14	06	20
4.	M.Com I	40	39	08	10	18
5.	M.Com III	40	12	03	09	12

Session 2019-20 Result

No.	Name of Class	Appeared			Passed			Failed			Percentage of Passed Student
		Male	Female	Total	Male	Female	Total	Male	Female	Total	
1.	B.Com I	47	16	63	47	16	63	00	00	00	100%
2.	B.Com II	10	06	16	10	06	16	00	00	00	100%
3.	B.Com III	13	13	26	13	13	26	00	00	00	100%
4.	M.Com IV	09	14	23	09	14	23	00	00	00	100%
5.	M.Com II	03	09	12	03	09	12	00	00	00	100%

हनी चोपड़ा
अतिथि प्राध्यापक (वाणिज्य विभाग)

रूसा प्रतिवेदन

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागाँव सन् 2014 से रूसा अनुदानित महाविद्यालय के अंतर्गत आता है। महाविद्यालय को रूसा के द्वारा 2 करोड़ रू. का अनुदान प्राप्त हुआ है, जिस राशि से आठ अतिरिक्त क्लास रूम का निर्माण किया गया है। इसमें साइंस की विभिन्न विषयों का संचालन किया जा रहा है। इस मद की राशि से तीन स्मार्ट क्लास-वनस्पतिशास्त्र, प्राणीशास्त्र, रसायनशास्त्र, भौतिकशास्त्र एवं भूगोल के प्रायोगिक सामग्री एवं उपकरण का क्रय किया गया है। जिसका उपयोग विद्यार्थियों के द्वारा प्रायोगिक कार्यो में किया जाता है तथा 69 लाख रूपये के अनुदान से महाविद्यालय भवन का जीर्णोद्धार का कार्य किया गया है। रूसा के द्वारा कोण्डागाँव जिले में आवासीय आदर्श महाविद्यालय का निर्माण कार्य किया जा रहा है। निर्माण कार्य पी.डब्लू.डी. द्वारा शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय के निगरानी में किया जा रहा है। रूसा अनुदानित महाविद्यालयों में "एक भारत श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जिसमें शासकीय गुण्डाधूर महाविद्यालय कोण्डागाँव को शासकीय पॉलिटेक्निक, राजकोट के साथ युग्मित किया गया है। दोनों संस्थान के विद्यार्थी एक दूसरे के कला एवं संस्कृति से परिचित हो रहे हैं। महाविद्यालय में रूसा प्रभारी एवं एक भारत श्रेष्ठ भारत के नोडल अधिकारी के रूप में श्री शशिभूषण कन्नौजे, सहा.प्राध्यापक, वनस्पतिशास्त्र कार्यरत हैं।

शशिभूषण कन्नौजे
रूसा प्रभारी

आंतरिक मूल्यांकन समिति प्रतिवेदन

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागाँव में स्नातक एवं स्नातकोत्तर की कक्षाओं का संचालन इस सत्र 2020-21 में लॉकडाउन के कारण Zoom एवं google meet जैसे ऑनलाईन प्लेटफॉर्म के माध्यम से किया गया। शैक्षणिक कैलेण्डर के अनुसार महाविद्यालय में समस्त विद्यार्थियों का टेस्ट लिया गया तथा शासन के आदेश दिनांक 13 फरवरी 2021 के परिपालन में 23 मार्च 2021 तक ऑफलाइन विधि से भी कक्षाएं संचालित हुई। स्नातक स्तर पर ऑनलाइन आंतरिक मूल्यांकन 01 मार्च 2021 से 10 मार्च 2021 तक आयोजित किया गया एवं मूल्यांकन कर प्राप्तांकों को प्रविष्ट किया गया।

शोभा राम यादव
आंतरिक मूल्यांकन प्रभारी

IQAC प्रतिवेदन

महाविद्यालय में दिनांक 16 फरवरी 2019 को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) का गठन किया गया, जिसके पदाधिकारियों का विवरण निम्नानुसार है :-

अध्यक्ष	–	डॉ. (श्रीमती) किरण नुरूटी
प्रशासनिक अधिकारी	–	श्री डी.आर. ठाकुर (रा.प्र.से.)
स्थानीय समाज प्रतिनिधि	–	श्री धनराज कुलदीप
प्रशासनिक अधिकारी	–	श्री पवन कुमार सोरी
शिक्षक प्रतिनिधि	–	श्री पुरोहित कुमार सोरी
	–	श्री एस.आर. यादव
	–	श्री शशिभूषण कन्नौजे
	–	श्रीमती रूपा सोरी
	–	डॉ. देवाशीष हालदार
	–	श्री नसीर अहमद
समन्वयक	–	डॉ. आशीष कुमार आसटकर

IQAC द्वारा सत्र 2020-21 में सम्पन्न किये गये कार्य का विवरण निम्नानुसार है :

(1) 2020-21 में महाविद्यालय के पुराने भवन में विद्युत लाईन का नवीनीकरण किया गया।

(2) 2020-21 में महाविद्यालय के पुराने भवन में पानी की पाईप-लाईन का नवीनीकरण किया गया।

(3) महाविद्यालय के टूटे हुए फर्नीचरों की मरम्मत करवाकर उपयोग योग्य बनाए गये।

(4) महाविद्यालय की टूटी हुई बाऊंड्री का जीर्णोद्धार किया गया।

(5) महाविद्यालय मंच में छत का निर्माण कराया गया।

(6) महाविद्यालय में नया इंटरनेट कनेक्शन लगाया गया।

(7) महाविद्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण किया गया।

(8) महाविद्यालय में समाज शास्त्र विषय के शोधकेन्द्र हेतु विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त की।

(9) महाविद्यालय में एक दिवसीय अंतराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसमें टेक्सॉस (अमेरिका), जेरूसलेम (इजराइल) चेन्नई के वक्ताओं द्वारा "Recent advances in Science" शीर्षक पर व्याख्यान दिये गए।

(10) "Post Covid-19 Socio-economic Impact on India" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसमें लखनऊ वि.वि., रानी दुर्गावती वि.वि., जबलपुर एवं पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर के विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिये गए।

(11) गर्ल्स कॉमन रूम की स्थापना की गई।

(12) शिक्षा की गुणवत्ता, महाविद्यालयीन कार्यप्रणाली तथा अधोसंरचना में सुधार के उद्देश्य से छात्रों से feedback फॉर्म भरवाया गया एवं उनका आकलन कर संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारियों को उचित दिशा-निर्देश दिये गये।

(13) अतिरिक्त कक्ष को लाइब्रेरी से जोड़कर नया वाचनालय बनाया गया।

(14) रूसा भवन में वनस्पति विज्ञान, जंतु विज्ञान तथा भौतिक शास्त्र विषयों हेतु स्नातक स्तर की प्रयोगशालाएँ निर्मित की गई।

(15) महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापकों के द्वारा सत्र 2020-21 में कुल 03 अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्र एवं 02 बुक चैप्टर प्रकाशित किए गए।

(16) सभागृह का सौंदर्यीकरण किया गया।

(17) प्राचार्य कक्ष का सौंदर्यीकरण किया गया।

डॉ. आशीष कुमार आसटकर
IQAC प्रभारी

रेड रिबन क्लब

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागाँव में शासन के निर्देशानुसार रेड रिबन क्लब का गठन किया गया है, जिसमें प्रतिवर्ष संशोधन किया जाता है। सत्र 2020-21 के लिए निम्नलिखित सदस्य का चयन किया गया है - अजीत कुमार, रोहन सिन्हा, तिलक दास, लुभेन्द्र, गेंदेश्वर, गुरमीत, देवेन्द्र सेठिया, नूतन साहू, तपस्या कौल, अंकित राव, मुकेश पोयाम, प्रतिमा यादव, कृति, कुरसो मौर्य, मुन्ना मरकाम, रमेश मौर्य, सना परवीन। इनके द्वारा जरूरतमंद लोगों को समय-समय पर निःस्वार्थ भाव से रक्तदान किया जाता है। एड्स दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम जैसे- रंगोली, पोस्टर लेखन, निबंध लेखन, नारा लेखन आदि का आयोजन शासन के निर्देशानुसार दिये गये थीम पर कराया गया एवं समय-समय पर रक्तदान हेतु कैंप का आयोजन किया जाता है।

शशिभूषण कन्नौजे
रेड रिबन क्लब प्रभारी

ग्रंथालय प्रतिवेदन

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागाँव में महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1982 से ग्रंथालय संचालित है। वर्तमान में श्री शशिभूषण कन्नौजे सहायक प्राध्यापक (वनस्पति शास्त्र) ग्रंथालय प्रभारी हैं एवं श्री सुरेन्द्र कुमार देवाँगन, बुक लिफ्टर तथा श्री कमलेश कुमार पाण्डे, सहायक बुक लिफ्टर के पद पर कार्यरत हैं। कार्यालय में स्नातक, स्नातकोत्तर स्तर के पुस्तकें उपलब्ध हैं एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ-साथ प्रेरणादायी पुस्तकें उपलब्ध हैं। महाविद्यालय के ग्रंथालय परिसर में वाचनालय की व्यवस्था है, जहाँ विद्यार्थी आराम से बैठकर विभिन्न प्रकार की पुस्तकों का वाचन करते हैं। ग्रंथालय में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रति सप्ताह कराया जाता है। सभी संकाय के प्राध्यापक ग्रंथालय में उपस्थित होकर संदर्भ पुस्तकें एवं पाठ्य पुस्तकों का अध्ययन करते हैं। ग्रंथालय में ऑनलाईन पुस्तकों एवं जर्नल के पाठन हेतु N-LIST का सब्सक्रिप्सन लिया गया है, जिसमें 5000 से अधिक पुस्तकें एवं जर्नल्स विद्यार्थियों के लिए 24 घण्टे उपलब्ध हैं।

वर्तमान में ग्रंथालय में यू.जी.सी.की 5641 पुस्तकें, बुक बैंक की 10448 पुस्तकें, बी.पी.एल. की 1054 पुस्तकें, रूसा मद की 1470 पुस्तकें एवं सामान्य मद से 22724 पुस्तकें कुल 41337 पुस्तकें महाविद्यालय के ग्रंथालय में उपलब्ध हैं।

शशिभूषण कन्नौजे
ग्रंथालय प्रभारी

स्वीप प्रतिवेदन

"Systematic Voter education and electoral participation" कार्यक्रम भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित की जाती है जिसके अंतर्गत मतदान जागरूकता अभियान का आयोजन महाविद्यालय के चयनित कैंपस एम्बेसडर तथा रा.से.यो. के सक्रीय स्वयं सेवकों के नेतृत्व में किया जाता है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय में नव प्रवेशित 18 वर्ष से अधिक आयु के विद्यार्थियों को Form-6 भरकर या ऑनलाईन पोर्टल NVSP के माध्यम से पंजीकृत कर नाम जोड़ा जाता है एवं समय-समय पर जिला निर्वाचन अधिकारी के द्वारा कैंप लगाकर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा मतदाता जागरूकता हेतु रैलियाँ निकाली जाती हैं एवं प्रतिवर्ष विभिन्न प्रकार के मतदाता जागरूकता से संबंधित थीम पर निबंध लेखन, पोस्टर लेखन, नारा लेखन, वाद-विवाद परिचर्चा, नुक्कड़ नाटक आदि का आयोजन महाविद्यालयीन स्तर पर किया जाता है। 25 जनवरी राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर प्रथम , द्वितीय, स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र व नगद राशि से पुरस्कृत किया जाता है एवं उत्कृष्ट नोडल अधिकारी प्रभारी प्राध्यापक तथा कैंपस एम्बेसडर भी पुरस्कृत किये जाते हैं।

शशिभूषण कन्नौजे
स्वीप प्रभारी

महिला उत्पीड़न आन्तरिक रोकथाम समिति प्रतिवेदन

प्रतिवर्ष की भांति इस सत्र में भी शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागाँव में महिला उत्पीड़न आन्तरिक रोकथाम समिति का गठन किया गया है। महाविद्यालय में गठित महिला उत्पीड़न आन्तरिक रोकथाम समिति के अध्यक्ष डॉ.श्रीमती किरण नुरूटी एवं सदस्य श्री शोभा राम यादव तथा श्रीमती रूपा शोरी को बनाया गया। इस समिति के तत्वावधान में महिला जागरूकता कार्यक्रम रखा गया, जिसमें महाविद्यालय की समस्त महिला स्टाफ सदस्य एवं महाविद्यालय की समस्त छात्राएँ सम्मिलित हुईं। महिला एवं बालविकास विभाग की ओर से सखी सेन्टर की कु. रीता चालकी मुख्य अतिथि थीं। उन्होंने महिलाओं पर होने वाले अत्याचार एवं उन्हें मिलने वाले कानूनी संरक्षण के बारे में स्टाफ एवं छात्राओं को जानकारी दी। डॉ. किरण नुरूटी ने घरेलू हिंसा तथा बाहर होने वाले हिंसा के बारे में अवगत कराया। इसके साथ ही महिला उत्पीड़न रोकथाम समिति की नियमावली एवं पदाधिकारियों के मोबाइल नं., महाविद्याालय के स्टाफ तथा छात्राओं को दी गई। महाविद्यालय परिसर में उनके साथ होने वाले छेड़छाड़ या अभद्र व्यवहार पर तुरंत पदाधिकारियों को सूचित करने को कहा, ताकि त्वरित कार्यवाही हो सके। इस कार्यक्रम में छात्राओं ने अपने साहसिक कार्य एवं उपलब्धियों से सभी को परिचय कराया।

डॉ.(श्रीमती) किरण नुरूटी
प्रभारी
महिला उत्पीड़न आंतरिक रोकथाम समिति

भूतपूर्व छात्र परिषद प्रतिवेदन

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागाँव में पूर्व में अध्ययनरत विद्यार्थियों के परिषद का गठन दिनांक 14 मार्च 2021 को किया गया, जिसमें पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी समिति का मनोनयन किया गया। अध्यक्ष श्री यादवेन्द्र यादव, उपाध्यक्ष श्री जगदीश माली एवं गायत्री पोर्ते, सचिव हर्ष लाहोटी, सहसचिव अंकित गुप्ता और कोषाध्यक्ष श्री दीपक जैन को सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया। इसके साथ ही भूतपूर्व छात्र परिषद का पंजीयन कार्य भी कर लिया गया है एवं भूतपूर्व छात्रों से परिषद द्वारा सहयोग राशि महाविद्यालय के उत्थान के लिए एकत्रित किया जाना प्रगति पर है।

शशिभूषण कन्नौजे
भूतपूर्व छात्र प्रकोष्ठ प्रभारी

इको क्लब प्रतिवेदन

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागाँव में लाईफ साइंस विभाग के तत्वावधान में वनस्पतिशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष श्री शशिभूषण कन्नौजे के नेतृत्व में इको क्लब का गठन किया गया है। अध्यक्ष तपस्या कौल (बी.एस.सी. अंतिम वर्ष), उपाध्यक्ष प्रतीक्षा यादव (बी.एस.सी. अंतिम वर्ष) एवं अजीत कुमार (बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष), सचिव अंकिता राव (बी.एस.सी. अंतिम वर्ष) एवं मयंक साहू (बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष) को मनोनीत किया गया है, जिनके द्वारा महाविद्यालय परिसर में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम के साथ-साथ पौधारोपण एवं पर्यावरण संबंधी प्रतियोगिताएँ, क्विज, पोस्टर लेखन, नारा लेखन, वॉल पेंटिंग समय-समय पर महाविद्यालय में आयोजित किया जाता है।

शशिभूषण कन्नौजे
इको क्लब प्रभारी

कैरियर गाइडेंस एण्ड प्लेसमेंट सेल प्रतिवेदन

महाविद्यालय की कैरियर गाइडेंस और प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के तत्वावधान में इस वर्ष दिनांक 15 फरवरी 2021 को महाविद्यालय रूसा भवन में छ.ग. लो.से.आ. द्वारा आयोजित छत्तीसगढ़ सहायक प्राध्यापक चयन परीक्षा 2021 के साक्षात्कार के लिये चयनित अभ्यार्थियों को साक्षात्कार में बेहतर प्रदर्शन करने और मार्गदर्शन के उद्देश्य से एक दिवसीय मॉक इन्टरव्यू का आयोजन किया गया था। इस मॉक इन्टरव्यू हेतु 6 विषयों अर्थशास्त्र, हिन्दी, वनस्पतिशास्त्र, प्राणीशास्त्र, रसायनशास्त्र, और समाजशास्त्र हेतु कुल 37 अभ्यार्थियों ने पंजीयन करवाया था, जिसमें 11 अभ्यार्थी मॉक इन्टरव्यू में सम्मिलित हुए। दिनांक 02 मई 2021 को छात्रों को उच्चशिक्षा में संभावनाएं बताने के उद्देश्य से एक दिवसीय e-Talk "Career Opportunities in Higher education" पर रखा गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय महाविद्यालय लवन, बलौदाबाजार के प्राणीशास्त्र के सहायक प्राध्यापक श्री अजय मिश्रा सर ने छात्रों को शिक्षा के विभिन्न संभावनाओं की जानकारी दी।

दिनांक 03 मई 2021 को "How to Crack Competitive Exams" विषय पर एक दिवसीय e-Talk रखा गया था जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में कोण्डागाँव जिला प्रशासन के परियोजना अधिकारी श्री इमरान अख्तर ने छात्रों को सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के स्वरूप, उनके पाठ्यक्रम और इनकी तैयारी के विषय में छात्रों को बड़े ही सरल और रोचक अंदाज में समझाया। उक्त दोनों e-Talk में 200 से अधिक छात्र-छात्राओं ने पंजीयन करवायाऔर लाभान्वित हुए।

डॉ.देवाशीष हालदार
कैरियर गाइडेंस एण्ड प्लेसमेंट सेल

अतिथि व्याख्याता एवं जनभागीदारी शिक्षक नियुक्ति समिति प्रतिवेदन

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय,कोण्डागाँव में कार्यालय, आयुक्त, उच्च शिक्षा संचालनालय, नवा रायपुर अटल नगर (छ.ग.) के आदेश क्रमांक/06/126/आउशि/राज.स्था/20 अटल नगर रायपुर दिनांक-02.03.2021 के परिपालन में महाविद्यालय के विभिन्न विषयों के रिक्त पदों के विरूद्ध शैक्षणिक सत्र 2020-21 हेतु अतिथि प्राध्यापकों की व्यवस्था करने हेतु आवेदन -पत्र आमंत्रित किये गये। महाविद्यालय स्तर पर गठित छानबीन एवं चयन समिति द्वारा वरीयता क्रम के आधार पर अतिथि प्राध्यापकों की व्यवस्था की गई। सत्र 2020-21 में महाविद्यालय में निम्न अतिथि प्राध्यापक कार्यरत रहे :-

क्र.	अतिथि प्राध्यापक का नाम	विषय	शैक्षणिक योग्यता	नियुक्ति तिथि
01	श्रीमती सिहनु लांबा	हिन्दी	स्नातकोत्तर, नेट, सेट	24.02.2021
02	श्री जगदीश वर्मा	अर्थशास्त्र	स्नातकोत्तर, सेट	24.02.2021
03	श्री गजेन्द्र वर्मा	अर्थशास्त्र	स्नातकोत्तर	24.02.2021
04	श्री शिकलेश नरेटी	समाजशास्त्र	स्नातकोत्तर, सेट	25.02.2021
05	श्रीमती गायत्री ठाकुर	राजनीति विज्ञान	स्नातकोत्तर	01.03.2021
06	श्री सोनल मेश्राम	राजनीति विज्ञान	स्नातकोत्तर	24.02.2021
07	कु. किरण मरकाम	भूगोल	स्नातकोत्तर	24.02.2021
08	श्री समलेश पोटाई	भूगोल	स्नातकोत्तर, नेट, सेट	17.03.2021
09	श्रीमती अनिता चन्द्राकर	गृह विज्ञान	स्नातकोत्तर	24.02.2021
10	श्रीमती निशा भोई	कम्प्यूटर साईंस	स्नातकोत्तर	19.03.2021
11	कु. महक बख्शी	गणित	स्नातकोत्तर	12.03.2021
12	कु. मोनिका देवाँगन	भौतिकी	स्नातकोत्तर	26.02.2021
13	श्री हनी चोपड़ा	वाणिज्य	स्नातकोत्तर	24.02.2021
14	श्री रविकांत शांडिल्य	वाणिज्य	स्नातकोत्तर	20.03.2021

श्रीमती रूपा सोरी
श्री विनय कुमार देवाँगन
अतिथि प्राध्यापक चयन समिति

राष्ट्रीय सेवा योजना प्रतिवेदन

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागाँव में राष्ट्रीय सेवा योजना में 100 विद्यार्थियों की इकाई है, जिसमें 2020-21 में 64 छात्र तथा 36 छात्राएं पंजीकृत हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना का महाविद्यालय में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं अकादमिक गतिविधि में महत्वपूर्ण भूमिका है। इस वर्ष 24 सितम्बर, 2020 को राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस मनाया गया, जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वंय सेवकों ने विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का संचालन किया। इस वर्ष लॉकडाउन होने के कारण राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वंयसेवको द्वारा विभिन्न प्रकार की गतिविधि ऑनलाइन प्लेट फॉर्म के माध्यम से कराया गया, जिसमें यूनिसेफ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में ब्लू बिग्रेड का गठन किया गया, जिसके द्वारा गर्भवती महिलाओं, कुपोषित बच्चे, बाल संरक्षण, मोहल्ला क्लास, गुड टच तथा बेड टच एवं तिरंगा भोजन थीम पर स्वयं सेवक अपने गृह ग्राम स्तर पर बहुत महत्वपूर्ण कार्य किए, जिसका प्रदर्शन पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के एक दिवसीय कार्यशाला 09 जनवरी 2021 को कार्यक्रम समन्वयक जिला संगठन एवं कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना तथा वि. वि. के द्वारा किया गया। एड्स दिवस 1 दिसम्बर 2020 के अवसर पर रेडरिबन क्लब के द्वारा विभिन्न प्रकार के प्रतियोगिता का आयोजन एवं रक्तदान किया गया तथा 12 जनवरी 2021 को राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानंद के जीवन परिचय एवं आज के परिवेश में उनके विचारों की प्रासंगिकता विषय पर भाषण, निबंध, रंगोली, नारा लेखन कार्यक्रम का आयोजन कर उत्कृष्ट स्वंयसेवकों को पुरस्कृत किया गया। सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत 17 फरवरी 2021 को महाविद्यालय में 'सड़क सुरक्षा' विषय पर कार्यशाला आयोजित किया गया, जिसमें नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया एवं प्रश्नावली प्रतियोगिता आयोजित कर प्रथम तीन विद्यार्थियों को हेलमेट पुरस्कार के रूप में दिया गया।

शोभा राम यादव
एन.एस.एस. प्रभारी

-: महाविद्यालय का गौरव :-

अजीत कुमार सिन्हा :- उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले समस्त शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों के नियमित छात्र-छात्राओं के लिए "ऑनलाइन वीडियो बनाओ राज्यस्तरीय प्रतियोगिता" कोरोना महामारी के बचाव व रोकथाम सम्बन्धी संदेश व कोरोना योद्धाओं के योगदान की प्रशंसा विषय पर 8 से 14 मई तक आयोजित किया गया था, जिसमें प्रथम स्थान अजीत कुमार सिन्हा, बी.एस.सी प्रथम वर्ष, शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोण्डागाँव को प्राप्त हुआ।

पं. सुन्दर लाल शर्मा मुक्त वि.वि. परीक्षा केन्द्र प्रतिवेदन

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागाँव, पं.सुंदरलाल शर्मा मुक्त वि.वि. बिलासपुर के विभिन्न परीक्षाओं का परीक्षा केन्द्र के रूप में अपनी प्रभावी भूमिका निभा रहा है । उक्त वि.वि.के द्वारा बी.ए., बी.कॉम., एम.कॉम., बी.एस.सी., एम.ए. इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, हिन्दी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, समाजशास्त्र, P.G.D.CA., B.CA., योग विज्ञान, P.G.Diploma in C.G. Language. M.Sc. Maths एवं MSW. पाठ्यक्रम संचालित हैं । उक्त वि.वि.के परीक्षाओं के सचालन में यहाँ के प्राचार्य डॉ.(श्रीमती) किरण नुरूटी, समन्वयक श्री शोभा राम यादव, तृतीय वर्ग कर्मचारी श्री आर.एस.पैकरा, चतुर्थ वर्ग कर्मचारी श्री बादल कर्मकार एवं वि.वि. में प्रतिनिधि के रूप में समन्वयक सहायक श्री रमेश पाटिल है । जिन परीक्षार्थियों को नियमित प्रवेश नहीं मिल पाता है, उनमें से कुछ विद्यार्थी उक्त वि.वि. में प्रवेश लेकर अपने अध्ययन को जारी रखते हैं, जिससे उन्हें उच्च शिक्षा का एक अवसर प्राप्त हो जाता है ।

शोभा राम यादव
समन्वयक
पं. सुन्दर लाल शर्मा (मुक्त) वि.वि. परीक्षा केन्द्र

जिला संगठन, राष्ट्रीय सेवा योजना जिला-कोण्डागाँव प्रतिवेदन

श्री शशिभूषण कन्नौजे रा.से.यो. बस्तर विश्वविद्यालय, जगदलपुर के अंतर्गत जिला कोण्डागाँव के जिला संगठक के पद पर कार्यरत हैं । जिला कोण्डागाँव के अंतर्गत 32 रा.से.यो. इकाई हैं जो कि तीन महाविद्यालयों एवं 29 उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालयों में संचालित हैं । जिला संगठन द्वारा सभी इकाइयों में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का मार्गदर्शन किया जाता है, जिसके अंतर्गत स्वच्छता अभियान, मोहल्ला क्लास, जागरूकता रैलियाँ, कोविड-वैक्सीनेशन एवं यूनिसेफ के साथ ब्लू-बिग्रेड आदि का कार्य पूरे कोण्डागाँव जिला में कराया जाता है एवं इसका प्रतिवेदन बस्तर विश्वविद्यालय, जगदलपुर एवं राज्य शासन को प्रेषित किया जाता है । समय-समय पर सभी इकाइयों के कार्यक्रम अधिकारियों की बैठक शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागाँव के सभागार में किया जाता है एवं आगे की रूपरेखा तैयार की जाती है ।

शशिभूषण कन्नौजे
जिला संगठक
राष्ट्रीय सेवा योजना

एन्टी रैगिंग समिति प्रतिवेदन

स्कूल के अनुशासित जीवन के बाद जब छात्र उमंग एवं उत्साह के साथ महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त करता है, तब उसे रैगिंग की सच्चाई का आभास नहीं होता। जब सीनियर्स रैगिंग लेकर उसे प्रताड़ित करने की कोशिश करते हैं, तो समझ में आता है कि रैगिंग क्या है ? महाविद्यालय में एन्टी रैगिंग समिति द्वारा रैगिंग के रोकथाम हेतु दिनांक 12.11.2020 को समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार छत्तीसगढ़ की शिक्षण संस्थाओं में प्रताड़ना का प्रतिबंध रैगिंग अधिनियम 2001 की जानकारी से सभी छात्र-छात्राओं को अवगत कराया गया। रैगिंग रोकथाम हेतु रैगिंग विषयक जानकारी छात्र-छात्राओं को दी गई। महाविद्यालय रैगिंग रोकथाम का कड़ाई से पालन करने हेतु विद्यार्थियों के प्रवेश लेने के साथ ही उनसे रैगिंग संबंधी शपथ-पत्र हस्ताक्षर सहित भरवाया गया। बैठक में लिए गये निर्णय के अनुसार एन्टी रैगिंग समिति एवं एन्टी रैगिंग स्कवाड का गठन किया गया। समिति में सिविल, पुलिस प्रशासन, स्थानीय मीडिया के प्रतिनिधि एवं वरिष्ठ विद्यार्थियों के प्रतिनिधि एवं नवप्रवेशित छात्र प्रतिनिधि तथा महाविद्यालय के संकाय प्रतिनिधि के रूप में प्राध्यापकों को सम्मिलित किया गया। रैगिंग पर नियंत्रण हेतु सभी विभागाध्यक्षों एवं संकाय प्रभारियों को महाविद्यालय परिसर में सतत् भ्रमण कर निगरानी का निर्देश दिया गया है।

महाविद्यालय में भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने हेतु कक्षावार स्वागत समारोह का आयोजन प्राचार्य एवं विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में किया जाता है। रैगिंग की शिकायत के लिए शिकायत पेटी लगाई गई है। सत्रांत तक महाविद्यालय में रैगिंग मुक्त वातावरण रहा। समिति के सदस्य के रूप में श्री पुरोहित सोरी, श्री शोभा राम यादव, श्री शशिभूषण कन्नौजे, श्रीमती रूपा सोरी, श्रीमती चित्र किरण पटेल का पूर्ण सहयोग रहा।

डॉ.(श्रीमती) किरण नुरूटी
प्रभारी
एंटी रैगिंग समिति

छत्तीसगढ़ी में हाना (कहावत)

लोकोक्तियाँ छोटी-छोटी उक्तियाँ हैं। छोटे-छोटे मार्मिक कथन, जिसमें लोक जीवन में निरीक्षण, अनुशीलन व अनुभव का सार निहित होता है। सच्चाई, ईमानदारी और सूक्ष्म अनुभव इसकी आधारशिला है। लोक जीवन की सूक्ष्म दृष्टि, लोक बुद्धि की गहराई और लोक वार्ता की शक्ति लोकोक्ति से प्रकट होती है।

❊ चिक्कन तेली, चतुर मरार। गोंड के धन ला, खाए कलार।।

भावार्थ :- घर में तेल उत्पादन के कारण तेली तेल से चिकना रहता है और मरार बहुत चतुर होता है। गोंड शराब पीने के चक्कर में अपनी धन सम्पत्ति कलार के पास लुटा देता है।

❊ कुकुर हार गंगा जाही। तें पतरी ला कौन चांटही।।

भावार्थ :- शराबी शराब पीना नहीं छोड़ता।

❊ जेकर घर डौकी सियान, तेकर घर मरे बिहान।

भावार्थ :- जिस घर की औरत प्रमुख हो, उस घर के निर्णय सही नहीं होते।

❊ तेली चीट, बरई काट। झंन जाबे बनिया संग हाट।।

भावार्थ :- तेली कन्जूस होता है, बढ़ई दुष्ट और बनियाँ धूर्त होता है।

❊ बामन मरथ गोड़ के घाव। कुकुर मरथ मूड़ के घाव।।

भावार्थ :- ब्राम्हण पैर के घाव से कष्ट पाता है और कुत्ता सिर के घाव से, जिसे चांट कर ठीक नहीं कर पाता।

❊ सगरे दिन मइके म कटगे, ससुरे जाय लजाए।

भावार्थ :- पूरी जिन्दगी मायके में कट गई, अब ससुराल जाने में शर्मा रही है।

❊ कुल बिहावय कन्हार जोनय। भांटा बोवय, करमु उठावय।।

भावार्थ :- कुलीन कन्या व कन्हार खेत शुभ होते हैं, नीच कुल की कन्या और बंजर भूमि हानि करते हैं।

❊ सांझी के बइला, घरजिंया दमाद। मरे कि जिये ढकेले ले काम।।

भावार्थ :- साझा लिया हुआ बैल एवं घर जवाई की कोई परवाह नहीं करता।

❊ बराती बर पतरी निहाय। बजनियां बर थारी।।

भावार्थ :- अतिथियों का स्वागत नहीं, नौकरों का आवभगत।

* नामी मरय नामबर, पेटू मरय दार भात बर। दाई रोवय धीया बर, धीया रोवय लगवार बर।।
भावार्थ :– भला आदमी यश के लिए, पेटू भोजन के लिए, माँ बेटी के लिए और बेटी प्रेमी के लिए तड़पते हैं।

इसी प्रकार कहावतें अपने आप में पूर्ण वाक्य होते हैं। कहावतों का स्वतंत्र प्रयोग होता है। कहावतों का उद्देश्य खण्डन–मण्डन या तर्क द्वारा किसी बात को साबित करना या विरोध करना है। काल, वचन और पुरूष के अनुसार इसमें परिवर्तन नहीं होता। छत्तीसगढ़ी में कहावत के लिए 'हाना' शब्द प्रचलित है।

* उपर बुद के नारी, ढिल्ला बेंट कुदारी।
भावार्थ :– महिलाएँ दूसरों की बातों में जल्दी आ जाती हैं।

* संहरालो बहू, सुसरा संग जाए।
भावार्थ :– ज्यादा तारीफ से वह नीच कार्य करे।

* हागे ल भाय, त बुटा खोजय।
भावार्थ :– परेशानी के लिए पहले से तैयार नहीं होना।

* मुह ले निकरय, देश मे पसरथ।
भावार्थ :– बात निकलते ही फैल जाना।

* उल्टा पुल्टा भये संसार, नाऊ के मूड़ ल मुड़य लोहार।
भावार्थ :– जमाना बदल गया है।

* दार भात कुसवा खाय। बइला ढिले बर रंगरेजवा जाय।।
भावार्थ :– मेहनत करे और लाभ उठाए कोई।

* आन के खांडा, आन के फरी। खेचू नाचय बोहर तरी।।
भावार्थ :– मांगी हुई वस्तु से मजे करना।

* महा बामन को लोढवा ढलगाय ले, बनिया नई मरय।।
भावार्थ :– अशुभ कामना फलीभूत नहीं होती है।

* बोकरी पूछी, न तोपे के न ढांके के।
भावार्थ :– तुच्छ वस्तु की कोई उपयोगिता नहीं है।

* सुम के धन बमूर के बुटा। बाप मरे ले लुटि के लुटा।।
भावार्थ :– मुफ्त के धन की छीना–झपटी।

डॉ.श्रीमती किरण नुरूटी
प्राचार्य

चन्द लम्हें जिन्दगी के चल यार यूँ बिता दें...

कुछ आंसुओं को पोछें, तन्हाइयाँ कुछ बाटें ।
चन्द लम्हें जिन्दगी के, चल यार यूँ बिता दें..
मिटता है हर कोई यहाँ, अपनी ही जिद की खातिर ।
औरों की खुशी के सदके, चल अपनी खुदी मिटा दें ।
चन्द लम्हें जिन्दगी के, चल यार यूँ बिता दें..
माना न होगी हासिल, जन्नत तुझे जहां की ।
हों करम तेरे ऐसे, कि जन्नत यही बसा दें ।।
चन्द लम्हें जिन्दगी के चल यार यूँ बिता दें..
शहद की चाशनी जुबां पे, और दिल में कीना भरा हुआ ।
चेहरे पे पड़ा झूठ का, अब तो ये नकाब हटा दें ।।
चन्द लम्हें जिन्दगी के चल यार यूँ बिता दें..
सलीका भी आ जाएगा, हर किसी से मोहब्बत का ।
इक जिन्दगी की खातिर, हम कुछ कतरे लहू लुटा दें ।।
चन्द लम्हें जिन्दगी के चल यार यूँ बिता दें..
रहे ना मोहताज कोई, सभी को सब का प्यार मिले ।
चल अपने मुल्क को, हम गोश–ए–जन्नत बना दें ।।
चन्द लम्हें जिन्दगी के चल यार यूँ बिता दें..
जन्नत की भी सैर हमें, हो जाएगी कुछ इस तरह ।
ढूंढ कर राह में किसी, रोते हुए को हंसा दें ।।
चन्द लम्हें जिन्दगी के चल यार यूँ बिता दें..
दुनिया में फैली इस वबा ने, कर दी हैं हाइल दूरियाँ ।
अपनी दुआओं में याद रख सभी को, आओ ये दूरियाँ मिटा दें ।।
चन्द लम्हें जिन्दगी के चल यार यूँ बिता दें..
दुआ है सब सेहतमंद हों, मिट जाए सब बीमारियाँ ।
या खुदा हमारे मुल्क को फिर से, सोने की चिड़िया बना दें ।।
चन्द लम्हें जिन्दगी के चल यार यूँ बिता दें..

खुदी = अस्तित्व, कीना = द्वेष, गोश ए जन्नत = स्वर्ग का एक हिस्सा,
वबा = महामारी, हाइल = बीच में आना

नसीर अहमद
सहायक प्राध्यापक (रसायनशास्त्र)

हिन्दी ही मेरा वजूद और 'हिन्दुस्तानी' ही मेरी पहचान है

न रंग, न जात,
न ही कोई दूसरी शान है,
ये हिन्द ही मेरा वजूद और
'हिन्दुस्तानी' ही मेरी पहचान है।
मेरी सांसों में इसकी फिजा की खुश्बू,
आँखों में इसकी रोशनी की चमक,
गालों में इसकी सुबह की लाली,
चेहरे पर इसका बाशिंदा होने की दमक,
जिस्म क्या, मेरी तो रूह तक इसपे कुरबान है,
ये हिन्द ही मेरा वजूद और
हिन्दुस्तानी ही मेरी पहचान है।

मोहब्बत ही पैगाम है इसका,
अदब और तहज़ीब इससे सीखे दुनिया,
मिलजुल कर रहना ये सबको सिखाए,
यहाँ का भाई चारा देख,
हर कोई इसके गुण गाए।
मैं क्यों न कहूँ "नसीर",
कि ये मेरी आन, बान और शान है,
ये हिन्द ही मेरा वजूद और
'हिन्दुस्तानी' ही मेरी पहचान है।

फिजा = वातावरण, बाशिंदा = नागरिक, अदब = सम्मान, तहजीब = शिष्टता

नसीर अहमद
सहायक प्राध्यापक (रसायनशास्त्र)

पिता

पिता जीवन है, सम्बल है, शक्ति है।
पिता सृष्टि के निर्माण की अभिव्यक्ति है ।।
पिता पालन है, पोषण है, परिवार का अनुशासन है।
पिता धौंस से चलने वाला, प्रेम का प्रशासन है ।।
पिता रोटी है, कपड़ा है, मकान है।
पिता छोटे से परिंदे का बड़ा आसमान है ।।
पिता से ही बच्चों के ढेर सारे सपने हैं ।।
पिता है तो बाजार के सब खिलौने अपने हैं।
पिता के बिना बच्चों का कोई जीवन नहीं है।
तो पिता से बड़ा तुम अपना नाम करो।
पिता का अपमान नहीं ,उन पर अभिमान करो ।।
पिता दिखाते नहीं लेकिन बच्चों की खुशी में वह बहुत,
खुश है और दुख में दुखी।
पिता पृथ्वी है, जगत है, धुरी है।
पिता बिना इस सृष्टि की कल्पना अधूरी है ।।

युक्ता गोलछा
बी.ए. प्रथम वर्ष

-: हाँ, मैं एक लड़की हूँ :-

हाँ, मैं एक लड़की हूँ। मैं एक लड़की हूँ।।
हजार ख्वाब लिए जो बंद है,
एक जंजीर में,
जिस को कैद किया गया,
ऐसे ही कितने ख्वाब लिए,
मुझको अभी बहुत लड़ना है।
मुझको जीने दो, उड़ने दो,
सारे ख्वाब रंगने दो।
हाँ, मैं एक लड़की हूँ। मैं एक लड़की हूँ।।
लड़की हो, लड़की हो, बचपन से,
हर कोई यही कहकर रूलाता,
तुम ये मत करो, तुम वो मत करो,
हर कोई मुझे यही समझाता ।।
हाँ, मैं एक लड़की हूँ। मैं एक लड़की हूँ।।

साक्षी देवाँगन
बी.ए. प्रथम वर्ष

हिन्दी मीडिया की भाषा और बाजारवाद : वर्तमान संदर्भ में

वर्तमान समय में हम सब वैश्वीकरण और सूचना क्रांति के युग में गतिशील हैं। सूचना क्रांति ने सम्पूर्ण संसार को वैश्विक गाँव में परिवर्तित कर दिया है। वैश्वीकरण के इस दौर में मीडिया की जन-जन तक के पहुँच को नकारा नहीं जा सकता है। इसके फायदे भी हैं, कुछ नुकसान भी। आज इंटरनेट के माध्यम से मीडिया की पहुँच जनमानस तक बहुत आसान हो चुकी है। हिन्दी मीडिया भी भूमंडलीकरण के परिणाम स्वरूप उभरे बाजार का भरपूर फायदा ले रही है। आज मीडिया और बाजार एक दूसरे के पर्याय बनते जा रहे हैं। इस बाजारवाद से हिन्दी मीडिया भी अछूती नहीं रही है। बाजार भी हिन्दी मीडिया की ताकत को अच्छी तरह पहचानता है। हिन्दी मीडिया की पहुँच आज करोड़ों दर्शकों, पाठकों और श्रोताओं तक है, लेकिन इस बाजारवाद के कारण मीडिया में प्रयुक्त हिन्दी में अत्यधिक विचलन हुआ है। हिन्दी हमारी मातृभाषा होने के साथ-साथ राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा भी है। प्रश्न यह है कि बाजारवाद से प्रभावित मीडिया में प्रयुक्त हिन्दी की मूल अस्मिता को हम किस प्रकार संरक्षित रख सकते हैं, साथ ही उसकी वैश्विक भाषा बनने की आकांक्षा की पूर्ति किस प्रकार की जा सकती है?

पिछले दो दशकों में जिस प्रकार भारत में जन-संचार के माध्यमों का विस्तार हुआ है, स्पष्टतः उसमें हिन्दी भाषा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसके साथ ही प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से हमारे देश में एक अलग ही प्रकार के नये बाजार का प्रादुर्भाव हुआ है। आज हिन्दी में व्याकरणिक एवं शाब्दिक विचलन से जो भाषायी परिवर्तन हुआ है, उससे हिन्दी सम्प्रेषण के सशक्त माध्यम के रूप में उभर कर हमारे समक्ष प्रस्तुत हुई है। भले ही वह साहित्यिक दृष्टि से अस्वीकार्य है, किंतु आज अपनी सम्प्रेषण क्षमता के बल पर हिन्दी भाषा जन-जन की भाषा बनी हुई है। इसके जनता तक पहुँच को बाजार भी अच्छी तरह समझता है और उसके लिए इसे नजरअंदाज करना संभव नहीं है। किसी भी बाजार की आवश्यकता होती है कि वह उसके उत्पादित सामग्री को उस भाषा में सम्प्रेषित कर सके, जिस भाषा में जनता उसे अच्छी तरह समझ सके और उसके उत्पादित सामग्री को अपने दिलो-दिमाग पर स्थापित कर सके। ऐसे में भाषा विचलन एक स्वाभाविक प्रक्रिया बन जाती है, जिसे आज सब शनैः शनैः अंगीकृत करते जा रहे हैं। उदाहरण के तौर पर वर्तमान कोविड-19 महामारी के समय क्वॉरेंटाइन, सैनिटाइजर, आइसोलेशन, एन-95 मास्क जैसे अंग्रेजी के क्लिष्ट और अज्ञात शब्द भी मीडिया के माध्यम से जनमानस के जुबान पर चढ़े हुए हैं और यह इस प्रकार स्थाईत्व को प्राप्त कर रहा है कि हम चाह कर भी हिन्दी के पर्यायवाची विकल्प की ओर नहीं जा पाते या जनमानस को उस विकल्प की ओर जाने की आवश्यकता ही महसूस नहीं होती है। आज जन-संचार माध्यमों के हिन्दी में विदेशी भाषाओं और क्षेत्रीय भाषाओं के अनगिनत शब्द धड़ल्ले से प्रयुक्त हो रहे हैं। दिव्यहिमाचल डॉट कॉम पर एक लेख में राजेन्द्र राजनजी लिखते हैं, "हिन्दी भाषा की शुचिता और शुद्धता पर घोर संकट है और विदेशी भाषाओं का हिन्दी में आक्रमण दूध में शक्कर की तरह घुल-मिल चुका है।" भूमंडलीकण के इस नित परिवर्तित होते परिवेश में भाषा का माध्यम आज कई फलकों पर और स्वरूपों में बँट गया है। आज भाषा सम्प्रेषण हमारे समक्ष जनसंचार के अनकानेक माध्यमों यथा-दूरदर्शन, रेडियो, समाचार-पत्र, कम्प्यूटर, मोबाईल, फैक्स से और विभिन्न स्वरूपों जैसे-प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सोशल मीडिया के रूप में पहुँचती है। मीडिया के विभिन्न फलकों और स्वरूपों में

भाषा संकट का एक गहराता प्रश्न सामने आ खड़ा हुआ है । बाजारवाद से प्रभावित मीडिया को इस भाषा संकट से कोई लेना देना नहीं है । बाजारीकृत मीडिया की चकाचौंध में आम आदमी अपनी जुबान की भाषा को भूलते जा रहा है । वैश्वीकरण के इस दौर में भले ही मनुष्य और मनुष्य के बीच भौतिक दूरी में कमी आई है, किंतु भावनात्मक दूरी में वृद्धि ही हुई है । ऐसी स्थिति में जो वर्तमान भाषा संकट है, जिसमें हमें वह भाषा सुनाई तो देती है पर वह एक हृदय को दूसरे हृदय से जोड़ नहीं पाती । आज एक ही परिवार के सदस्य एक छत के नीचे रहकर भी बाजारवाद की इस चमक–धमक में स्वयं को एक दूसरे से दूर ही पाते हैं ।

आज विज्ञापनदाताओं से होने वाली आय मीडिया की जीवनधारा हो गई है, जिसके आश्रय में और जिसके लिए वे जीते हैं । आज मीडिया की भाषा को इस प्रकार रखने का प्रयास किया जाता है कि उत्तेजन और प्रलोभन प्रदान करके श्रोताओं, दर्शकों और पाठकों की भारी भीड़ एकत्र की जाए । इस पर पत्रकारिता समस्या और समाधान में यू.सी. गुप्ताजी लिखते हैं, ''आज तो किसी पत्र को जीवित रखना अथवा मार डालना विज्ञापनदाताओं के हाथ में है । अच्छे से अच्छा पत्र हो, अगर विज्ञापनदाता उसे विज्ञापन न दें तो उसका चलना भी असंभव हो जाए । बाजारवाद से प्रभावित मीडिया की सर्वाधिक कोशिश रहती है कि वह अधिक से अधिक विज्ञापन प्राप्त करे । आज पत्रकारों के समक्ष यह दुविधा है कि वह अपने टीवी चैनल्स और अखबार के संस्थानों के लिए अधिकाधिक विज्ञापन प्राप्त कर उनका खजाना भरे या भाषायी संस्कारों को जीवंत बनाए रखें । बाजारवाद के स्वार्थ भरे कृत्य से हम सामूहिक संवेदनाओं को भूलते जा रहे हैं । यही कारण है कि मीडिया में प्रसारित कोई खबर या संदेश हमें भीतर तक भेद नहीं पाती । भारत–चीन सीमा पर भारतीय सैनिकों के शहीद होने की खबर हो या कोरोना से मरने वालों का आँकड़ा वैश्विक स्तर पर लाखों में पहुँच जाए, कहीं कोई भीषण सड़क दुर्घटना में अनेक लोग हताहत हो जाए या कहीं गौहत्या के शक में भीड़ द्वारा सामूहिक हत्या की जा रही हो, हम घर पर सोफे पर आराम से बैठकर उसे किसी मनोरंजन धारावाहिक या फिल्म की भाँति चाय की चुस्कियाँ लेते हुए संवेदनाशून्य भाव से देख लेते हैं, सुन लेते हैं ।

बाजारवाद से ग्रसित मीडिया के विभिन्न स्वरूपों में जो भाषायी परिवर्तन हो रहे हैं, वे भविष्य की पीढ़ियों को दिग्भ्रमित एवं पथभ्रष्ट करने का ही कार्य करेंगे । तब हमारी हिन्दी, हिन्दी न होकर अंग्रेजी की सम्मिश्रित भाषा बनकर रह जाएगी । तब क्या हम ऐसी हिन्दी पर गर्व कर सकेंगे, इस पर हमें गंभीरता से विचार करना होना । निस्संदेह मीडिया के विस्तार और उसकी वैश्विक स्तर पर पहुँच से हिन्दी निरंतर समृद्ध और सम्पन्न हो रही है, लेकिन साथ ही हमें यह भी ध्यान होगा कि हिन्दी के अस्मिता से कोई खिलवाड़ न हो । बाजारवाद की कीमत पर हिन्दी की अस्मिता और गौरव से कोई समझौता नहीं होना चाहिए ।

संदर्भ सूची :-

(1) राजेन्द्र राजन का divyahimachal.com पर लेख https://bit.ly/33xb7SU

(2) यू.सी.गुप्ता, पत्रकारिता समस्या और समाधान ।

विनय कुमार देवाँगन

सहायक प्राध्यापक (हिन्दी)

मानव अधिकार में नये आयाम का उदय

प्रसिद्ध विचारक लास्की ने कहा है कि, "अधिकार सामाजिक जीवन की वे परिस्थितियाँ हैं, जिनके बिना सामान्यतः कोई व्यक्ति अपने व्यक्तित्व का विकास नहीं कर सकता है।" मनुष्य जिन अधिकारों का अधिकांशतः उपभोग कर रहा है, वह उसे जन्म से ही प्रकृति द्वारा प्राप्त होते हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकारों की घोषणा 10 दिसम्बर, 1948 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने की । इस घोषणा में सभी व्यक्तियों को कुछ सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक व सांस्कृतिक अधिकारों को सम्मिलित किया गया। इसमें कहा गया कि सभी व्यक्ति अधिकारों की दृष्टि से समान पैदा हुए हैं। महिलाओं के विकास और उत्थान के प्रति चेतना जगाने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा में वर्ष 1975 को अंतर्राष्ट्रीय महिला वर्ष घोषित किया। इसके तीन उद्देश्य स्पष्ट किये – सर्वप्रथम पुरूष और महिला को समानता का दर्जा देना, दूसरा विश्व शांति स्थापना की दिशा में महिला सहयोग प्राप्त करना और तीसरा विकास कार्य में स्त्रियों का योगदान। मानव अधिकार को सार्वभौमिक अधिकार कहा जाता है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति अपना लिंग, जाति, पंथ, धर्म या स्थान की परवाह किए बिना हकदार है। ये वो मानदंड है जो मानव व्यवहार के कुछ मानकों का वर्णन करते है और कानून द्वारा संरक्षित हैं। पृथ्वी पर रहने वाले हर इंसान को जीवित रहने का अधिकार है। यह नगर निगम के साथ–साथ अंतर्राष्ट्रीय कानून में कानूनी अधिकारों के रूप में इन अधिकारों की अनौपचारिक मौलिक अधिकारों के रूप में जाना जाता है, जिसका एक व्यक्ति सिर्फ इसलिए हकदार है क्योंकि वह एक इंसान है। मानवाधिकार मानदंडों का एक समूह है जो मानव व्यवहार के कुछ मानकों को चित्रित करता है। यह हर जगह और हर समय लागू होता है। प्रत्येक व्यक्ति के पास अपना स्वतंत्र जीवन जीने का जन्मसिद्ध अधिकार है। सभी को निष्पक्ष न्यायालय द्वारा निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार है। सभी को विचार विवेक की स्वतंत्रता है, उसे अपने धर्म को चुनने की भी स्वतंत्रता है। इस प्रकार सदियों से मानव अधिकारों और स्वतंत्रता का विचार अस्तित्व है। हालांकि समय के बदलने के साथ–साथ इनमें भी परिवर्तन हुआ है क्योंकि परिवर्तन ही प्रकृति का नियम है। कई बार ऐसे देखने को मिलता है कि जिन लोगों के ऊपर मानव अधिकारों की रक्षा की जिम्मेदारी होती है, वे ही अपनी शक्ति का दुरूपयोग कर लोगों के मानवाधिकारों का हनन करने लगते हैं। इसलिए इस बात को सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि देश के सभी व्यक्तियों को उनके मानव अधिकारों की प्राप्ति हो।

सोनल मेश्राम
अतिथि प्राध्यापक (राजनीति विज्ञान)

जनजाति संस्कृति एवं जनजाति विकास : एक परिचय

संस्कृति एक ऐसा पर्यावरण है, जिसके अनुसार ही एक विशेष सामाजिक संगठन का विकास होता है तथा व्यक्तियों के पारस्परिक संबंधों की प्रकृति कर निर्धारण होता है। जनजातीय समाज को हम एक सरल समाज इस कारण कहते हैं कि जनजातियों की सामाजिक एवं सांस्कृति की विशेषताएँ हमारे जैसे जटिल समाजों से बहुत भिन्न हैं। जनजातीय सांस्कृतिक संरचना का संबंध उन सभी धार्मिक विश्वासों, व्यवहारों के निषेधों, विश्वासों तथा लोक गाथाओं से हैं, जो एक बड़ी सीमा तक आदिवासियों के व्यवहारों को प्रभावित करती हैं। दूसरी ओर जनजातियाँ सामाजिक संरचना के निर्माण में परिवार, विवाह, नातेदारी, वंश समूह, गोत्र व्यवस्था, युवागृहों तथा सामाजिक स्तरीयकरण के प्रतिमानों का विशेष स्थान है। इस दृष्टिकोण से इन सभी सामाजिक तथा सांस्कृतिक प्रतिमानों को समझकर जनजातीय समाज की अनुपमता को समझा जा समता है।

जनजातियों के विकास के स्वरूप को लेकर समय-समय पर विभिन्न दृष्टिकोण प्रस्तुत किये गये हैं। एक सामान्य दृष्टिकोण यह रहा है कि जनजातियों का विकास इस प्रकार किया जाए कि उनका राष्ट्रीय विकास की मूलधारा से आत्मसातकरण हो जाये, किन्तु विकास की अवधारणा में आदिवासियों की संस्कृति में जो मूलभूत अच्छाइयाँ है, वे भी विलुप्त हो जायेंगी तथा सभ्य समाज में जो बुराइयाँ हैं, वे जनजातियों में आ जायेगी, जो किसी के लिए भी श्रेयस्कर नहीं होगा। वैरियर एल्विन जैसे सामाजिक चिंतक का यह मानना था कि विकास के बावजूद जनजातियों की सांस्कृतिक विशेषताओं को नहीं खोना चाहिए। व्यक्तियों को अपनी प्रतिभा के अनुसार विकास करने का अवसर मिलना चाहिए और हमको जनजातियों पर कोई भी चीज थोपनी नहीं चाहिए। हमें इस प्रकार से उनकी परम्परागत कला संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए। जनजातियों के वन तथा भूमि संबंधी अधिकारों का आदर करना चाहिए। सरकार को जनजातीय क्षेत्रों के लिए बहुत सारी योजनाएँ बनाकर प्रशासनिक हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। उनके क्षेत्र में किये जाने वाले कार्य उनकी सामाजिक व सांस्कृतिक संरचनाओं के माध्यम से होना चाहिए, न कि उनके प्रतिद्वंदी बनकर।

अतः जनजातियों के सर्वांगीण विकास के भाग में आने वाली बाधाओं को समझना तथा उनका विश्लेषण करना नितांत आवश्यक है।

हरीश कुमार चन्द्राकर
जनभागीदारी शिक्षक (समाजशास्त्र)

माँ भारती

1. माँ भारती स्वयं है चंदा,
   बेटों को बनाये तारा।
   पूर्व में बहे ब्रम्हापुत्र,
   पश्चिम में सिंध की धारा ।।
   उत्तर में बहे माँ गंगापुत्री,
   दक्षिण में हिन्द पसारा।
   माँ भारत स्वयं है चंदा, बेटों को बनाये तारा ।।

2. माँ इस प्रकृति को,
   बनाया था रखवारा।
   माँ ने इस संस्कृति को,
   धरोहर से संवारा ।।
   पश्चिम में मरू है,
   पूर्व में दल-दल सोहरा।
   दक्षिण में तरू है,
   उत्तर में पल-पल कोहरा ।।
   भारत के है सभी दिशा में,
   नद नीर की धारा।
   भारत के पद प्राचीन ईशा में,
   पर धूल से हिन्द है खारा।
   माँ भारत स्वयं है चंदा, बेटों को बनायें तारा ।।

3. वर्षों पूर्व आये थे,
   वे सब थे छोरा।
   कालों से घृणा करते थे,
   वे सब थे गोरा।
   खाली हाथ आये थे,
   लेकर यहाँ झोरा।
   धन ले जाने को साथ लाये थे,
   ले गये बोरा-बोरा।
   माँ भारत स्वयं है चंदा, बेटों को बनाये तारा ।।

4. बुराई साफ करे कबीरा,
   कृष्ण धून में गाती मीरा।
   नाम दोनों की हो गई हीरा,
   कितने ही झेले दुःख पीरा।
   मोहन राय ने दी समाज को,
   नये किरणों से सवेरा।
   अहमद खां ने दी नमाज को,
   अलीगढ़ क्रांति से बसेरा।
   सबका मंदिर सबका मस्जिद,
   गिरजा घर गुरूद्वारा।
   हिन्दू मुस्लिम सिख ईसाई,
   भारत है सबको प्यारा।
   माँ भारत स्वयं है चंदा, बेटों को बनायें तारा ।।

समलेश पोटाई
अतिथि प्राध्यापक (भूगोल)

"सकारात्मक सोच की शक्ति"

'जीवन' यह एक हमेशा चलते रहने वाले प्रवाह की तरह है, जहाँ ढेर सारी खुशियों के बीच में दुःख भी आते हैं और यह चक्र दुःख के बाद सुख और सुख के बाद हम सभी के जीवन में मृत्यु आने तक चलता रहता है। इस संसार में जिस व्यक्ति के पास 'सकारात्मक शक्ति' है, वह इंसान किसी भी कठिन–से कठिन परिस्थिति में अपने आप को अंदर से संभाल सकता है।

जीवन की समस्याओं को हँसते–हँसते निकालने के लिए सिर्फ एक ही रास्ता है और वह है 'सकारात्मक दृष्टिकोण'। कभी–कभी हम किसी से कुछ उम्मीद करते हैं, परंतु अंत में उत्तर हमको उम्मीद से कहीं कम मिलता है। उस वक्त लगता है कि सब कुछ खत्म हो गया है। हम कहीं न कहीं अंदर से टुट जाते हैं, परन्तु अगर उसी जगह हम ये सोचें कि–जिस व्यक्ति से हमको उम्मीद थी, हो सकता है कि हमारी उम्मीद पर खरा उतरने के समय उसकी कुछ अपनी परेशानियाँ होंगी या उसकी कुछ न कुछ मजबूरियाँ होंगी। अगर इस प्रकार सकारात्मक सोच रखें तो हम अपने जीवन में आने वाली छोटी–छोटी परेशानियों को बहुत ही सरल तरीके से निकाल सकते है। किसी मुश्किल परिस्थितियों में यदि हम सकारात्मक रहें, तो वह दुःख दायी परिस्थितियों को भी सुख दायी बना देती है।

किसी दुःखद घटना के वक्त सकारात्मक रहना हर किसी के लिए मुश्किल है, परन्तु यह परीक्षा की घड़ी होती है, जिसमें हमको सामने दो मोड़ दिखाई देते हैं। या तो उस दुःख में डुब जाएं और अपनी बची–खुची जीवन को भी नरक में अपनें हाथों से लेकर जाएं या हम उस दुःख की वजह से अपने आप को इतना मजबूत बनाएं कि हमें लगे, यह दुःख तो कुछ भी नहीं है। हम इस दुःख से यूँ बाहर आ जायेंगे। जिस कारण से आपको दुःख प्राप्त होता है, आप उसी कारण को अपने सुःख का कारण सकारात्मकता से बना सकते हैं। मेरा मानना है कि परिपक्वता होने पर ही इंसान सकारात्मक सोच अपने मन में उत्पन्न करता है। जो इंसान सकारात्मक सोच के साथ जीता है, वह इंसान ही इस संसार में सुखी है। उन सभी लोगों के लिए, जिनको लगता है कि जीवन के सभी मोड़ पर उन्हें असफलता का सामना करना पड़ रहा है, कुछ पंक्तियाँ हैं :

"असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो तुम।
कहाँ कमी रह गयी देखो सुधार करो तुम, जब तक सफल न हो जाओ।
नींद चैन त्यागो तुम, संघर्ष का मैदान छोड़कर मत भागो तुम।
कुछ किये बिना यूँ ही जय–जयकार नहीं होती, कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।"

सुमन आचले
M.Sc. (Chemistry III Sem.)

छत्तीसगढ़ मोर महतारी

हमर भाखा हमर बोली,
गुरतर हमर बानी हे।
हमर छत्तीसगढ़ महतारी के,
इहु एक चिनहारी हे।
नी झांको में एति कोती,
देखतो मैं एक कोती,
जेनि मोर जिनगानी हे,
तोर भुइंया के खाय हन।
चाऊर अऊ दार ओ,
अऊ सब्बो झन पीये पानी,
आनी बानी के भाजी भाटा,
अलकरहा हे अम्मट जिम्मिकन्दा,
पाताल झोझो के बात का कहों,
तिखुर के अपन कहानी है।
बड़े बिहनिया दाई बबा,
जाते खेत कमाय बर,
मंझनीया के डोकरी दाई के बांसी,
गोंदली संग मिठाय हे।

ठेठरी खुरमी चीला फरा,
एरसा बरी अऊ नुचंर्रा,
इही तोर अभिमान हे,
हरिहर हरिहर खेत खार हे,
हरिहर हे बन अऊ भाटा,
चारों कोती फैले,
श्री रामचन्द्र के गाथा हे।
सरगुजा ले बस्तर ला ले ल,
कि रईगढ़ ले रइपुर,
कोनों डहर ले चल रे संगी,
हमर रंग-रंग के चिनहारी हे।
लाज नी लागय मोला,
छत्तीसगढ़िया कहलाय बर,
तोर माटी म मरथे मोर,
कलेजा अऊ जी प्रान हे।
मैं छत्तीसगढ़ के लइका हों,
एक मोला अभिमान हे।
दाई तोला मोर जोहार हे...

देवेश कुमार शोरी
B.Sc.(Bio) - II year

फूटा घड़ा (कहानी)

एक गाँव में श्याम नाम का किसान रहता था। उसका एक छोटा–सा खेत था। उसके पास दो मिट्टी के घड़े थे, जिससे वह रोज अपने घर के लिए पानी लेकर आता था, लेकिन उनमें से एक घड़ा फूट चुका था। नदी से पानी लाते हुए एक घड़ा भरा हुआ रहता था और दूसरा आधा ही भरा रहता था। फूटा घड़ा बहुत शर्मिंदा रहता था कि वह आधा पानी ही घर पहुँचा पाता है। भरे घड़े को इस बात का बहुत घमण्ड था कि वह पूरा का पूरा पानी घर पहुँचाता है। इसलिए वह फूटा घड़ा से कहता है कि, "तू आधा पानी लाकर मालिक का मेहनत बेकार कर देता है।" ये सुनकर फूटे घड़े को बहुत दुःख होता है।

इस तरह दोनों घड़ों की बातें सुनकर श्याम फूटे घड़े को कहता है, "तुम सिर्फ अपनी बुराई देख रहे हो, पर मैं शुरू से ही उस बुराई के साथ छिपी हुई अच्छाई को भी देख रहा हूँ,इसलिए मुझे कभी भी तुम में कमी दिखाई नहीं दी। तुम्हें ऐसा क्यों लगता है कि तुम मेरे किसी काम के नहीं हो। जाने अनजाने में तुमने मेरी बहुत मदद की है। हर रोज जब हम नदी से घर वापस आते हैं तो तुम्हारा आधा पानी जमीन पर गिरता है, जिससे वह फूलों को उगने में मदद करता है। तो तुम कैसे कह सकते हो कि तुम मेरे काम के नहीं हो।" घड़ा पूछता है कि इन सब में आपकी मदद कैसे हुई ? श्याम कहता है "वो ऐसा है कि अब मैं खेती के साथ–साथ उन फूलों को भी बाजार में बेचने लगा हूँ, जिससे मेरे पास और अधिक धन आ जाता है। उस धन से मैं खेत के लिए ज्यादा और अच्छे बीज खरीद लेता हूँ। ये सब तुम्हारे वजह से ही हो पाया है..। इसलिए तुम आज के बाद अपने आप को कभी भी कम मत समझना।"

सीख :–
हमें कभी भी किसी के हुनर का मजाक नहीं बनाना चाहिए, बल्कि उसकी अच्छाई को ढुंढकर उसे और निखारना चाहिए।

जोगीराम नेताम
बी.ए. प्रथम वर्ष

भारत

हमारे महान भारत की गाथाएँ,
आइए आपको इस कविता में बताएं ।
भारत 'एक त्यौहारों का देश,'
रंगीन रौनक की लड़ी है इसका वेश ।
अनेकता में एकता की मिसाल है भारत,
हमारा गर्व एवं अभिमान है भारत ।
सर्वांगिता और सहिष्णुता इसके गहने हैं,
प्रेम और उदारता इसकी विशेषता ।
यहाँ खेल सिर्फ खेल नहीं,
खिलाड़ियों का धर्म, स्नेह और जुनून है ।
कबड्डी, स्नूकर, शतरंज, लूडो और साँपसीढ़ी भारत की ही तो देन है,
यह संस्कृति का समृद्धशाली देश है ।
यहाँ 22 आधिकारिक भाषाएँ एवं 1600 से भी अधिक बोलियाँ हैं ।
कुछ भाषाएँ बड़ी तीखी हैं, तो कुछ बड़ी मीठी ।
मीठे की सौगात भी विश्व को भारत ने तो दी है,
भारत के मसालों के चटकारे लगाता है सारा जहान ।
चन्द्रमा में पानी की खोज भी भारत ने ही तो की है ।
π का मान, आयुर्वेदिक औषधि, शल्य चिकित्सा, हीरों का स्त्रोत, भारत की ही तो देन हैं ।
जहाँ देश को देश नहीं 'माँ' समझा जाता है,
वहाँ कभी संस्कारों की कमी नहीं हो सकती ।
ऐसे अखंड भारत के नागरिक होने पर हमें गर्व होना चाहिए और यही वह चीज है जो भारत को एक महान देश बनाती हैं ।
यह 'सुनहरा भारत' फिर से सोने की चिड़िया कहलाएगा, और हर भारतीय गर्व से हमेशा जय हिंद कह कर तिरंगा लहराएगा ।
जय हिन्द । जय भारत माँ ।।

प्रियल गुप्ता
M.Sc.(Chemistry)-III Sem.

राहगीर हूँ यारों...

मैं राहगीर हूँ यारों, मैं चलता रहूँगा।
मैं घूमता रहूँगा, मचलता रहूँगा ।। ...
बहुत कुछ है देखा, बहुत कुछ है जाना।
फिर भी बहुत कम है, मैंने है ये माना ।।
वो रास्ते बुलाते, ये गाड़ियाँ झूलाते।
मगर मेरे मन से, ये सफर न भूलाते ।।
मैं राहगीर हूँ यारों, मैं चलता रहूँगा।
मैं घूमता रहूँगा, मचलता रहूँगा ।। ...
कभी मैं यहाँ हूँ, कभी मैं वहाँ हूँ।
मैं खुश ही रहा हूँ, जहाँ भी रहा हूँ ।।
कभी भीड़ आती, कभी भीड़ जाती।
पर मैं खुश रहा हूँ, भले दुःख सहा हूँ ।।
मैं राहगीर हूँ यारों, मैं चलता रहूँगा।
मैं घूमता रहूँगा, मचलता रहूँगा ।। ...
कभी कोई आगे, कभी कोई पीछे।
कभी कोई ऊपर, कभी कोई नीचे ।।
खुदा ही बताये कि, किसे कौन खीचें।
मैं राहगीर हूँ यारों, मैं चलता रहूँगा ।।
मैं घूमता रहूँगा, मचलता रहूँगा ।। ...
एक सफर का जाना है, दूसरे का आना।
मगर इन सफर में, मैंने बहुत है जाना ।।
ये सफर भी बहुत आती-जाती रहेगी।
मुझे जिन्दगी भर सीखाती रहेगी ।।
मैं राहगीर हूँ यारों, मैं चलता रहूँगा।
मैं घूमता रहूँगा, मचलता रहूँगा ।। ...

सुमीत कुमार झा
एम.एस.सी. III Sem. (रसायन विज्ञान)

माँ चो मया

बिना पानी चो मछरी असन,
मोचो जीव तड़पेसे आज ।
मोचो जीव ले निकरून जेली आजी माँ, माँ, माँ... ।।

जिन्दगी चो जीवन बनुन जेली आजी मोचो माँ,
ऐ अन्धियारा दुनिया में, दीया बनुन जेली मोचो माँ ।
मोचो जीव ले निकरून जेली आजी माँ, माँ, माँ... ।।

खुद जरून भाँति मोके ऊँजियारा करली माँ,
अऊ दुःखी जीवन चो राह में खुशी बनुन जेली माँ ।
मोचो जीव ले निकरून जेली आजी माँ, माँ, माँ... ।।

दुःख चो दुखा के सहुन, कर्ज में डुबुन जेली माँ,
मोचोय खुशी काजे, देऊन जेली आपलो प्रान ।
मोचो जीव ले निकरून जेली आजी माँ, माँ, माँ... ।।

माँ चो मया आय अति अपार, ए दुनिया आय एक भरमार ।
जोन आजी समझुन जेलो, आजी लिखुन जेलो आपलो तकदीर ।।
अऊर जोन समझुक नी पावलों, आजी बनुन जेली हुन मया चो फकीर ।।
मोचो जीव ले निकरून जेली आजी माँ, माँ, माँ.... ।।

सुखदेव पोयाम
बी.ए. प्रथम वर्ष

सपनों की उड़ान

कुछ सरहदें मन की भी है, कुछ मजबूरियाँ हालात की भी है,
कुछ बेड़ियाँ समय की भी है।
दूर क्षितिज की ओर कुछ रोशनी भी है,
सपनों की उड़ान बाकी अभी भी है।

तोड़ दे उन बेड़ियों को जो तेरे कदमों को रोकती हो।
छोड़ दे उन बेबसियों को जो तुझे सोचने से रोकती हो।
उड़ चल आगे बढ़ लगातार,
इस बार चल चलें शिखर के पार।
इस बार चल चलें शिखर के पार।।

प्रतीक्षा यादव
B.Sc. III

जिन्दगी क्या है ?

जिंदगी एक रास्ता है, जिस पर चलते जाना है।
ना मंजिल की खबर है, ना कोई ठिकाना है।
रूकना नहीं है, बस आगे बढ़ते जाना है।
राह में कितनी भी मुसीबतें आये डरना नहीं हैं, बस लड़ते जाना है।
जिन्दगी एक रास्ता, जिस पर चलते जाना है।।

कितना भी हमको कोई गम सताए,
मुस्कुराते हुए आगे बढ़ना है।
कभी गम है तो कभी खुशी,
कभी हार तो कभी जीत, यही तो है जिंदगी।
जिंदगी एक रास्ता है, जिस पर चलते जाना है।।

कु. चेतावनी यादव
बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष (Bio)

सत्र 2020-21 हेतु प्रस्तावित अकादमिक कैलेण्डर के अनुसार सम्पन्न हुए -: कार्यक्रम एवं अन्य गतिविधियों का विवरण :-

मई 2020

30 मई – केमिकल सोसायटी, रसायनशास्त्र विभाग के द्वारा "Awarness of Online Study/E - Learning Platforms as an Outbreak of the Pandemic Covid-19" विषय पर ई –क्विज का आयोजन किया गया।

जून 2020

05 जून – विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महाविद्यालय परिसर में विभिन्न फलदार एवं छायादार पौधे रोपित किये गये।

अगस्त, 2020

04 अगस्त – वनस्पतिशास्त्र विभाग द्वारा 'जड़ी–बूटी दिवस' पर विविध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

10 अगस्त – राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा स्वतंत्रता दौड़ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

15 अगस्त – स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर महाविद्यालय प्रांगण में प्राचार्य द्वारा ध्वजारोहण किया गया तथा छात्रों हेतु ऑनलाइन भाषण, देशभक्ति गीत, कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

25 अगस्त – बस्तर विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार शैक्षणिक सत्र 2020–21 हेतु स्नातक स्तर पर प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों हेतु प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ।

सितम्बर, 2020

2 सितम्बर – वनस्पतिशास्त्र विभाग द्वारा "कोकोनट डे" पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

5 सितम्बर – विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार शिक्षक दिवस के अवसर पर सेवानिवृत्त शिक्षक श्री जे.पी.एक्का को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित कर महाविद्यालय परिवार द्वारा शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया।

8 सितम्बर – अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ई–क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

14 सितम्बर – हिन्दी दिवस के अवसर पर हिन्दी विभाग द्वारा व्याख्यान कार्यक्रम, ऑनलाईन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

16 सितम्बर – विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर केमिकल सोसायटी ,रसायनशास्त्र विभाग द्वारा "Awareness on Ozone layer and its importance" विषय पर ई–क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

24 सितम्बर – राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

अक्टूबर, 2020

02 अक्टूबर – गाँधी जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ऑनलाईन भाषण एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

15 अक्टूबर, 2020 से 15 फरवरी, 2021 तक :– महिला सुरक्षा, तिरंगा भोजन, घरेलु हिंसा निषेध पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

नवम्बर, 2020

02 नवम्बर – राज्य शासन के निर्देशानुसार स्नातक स्तर के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों हेतु ऑनलाइन क्लास प्रारंभ।

26 नवम्बर – संविधान दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ई–क्विज एवं ऑनलाईन भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

28 नवम्बर – छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस के अवसर पर हिन्दी विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रचार – प्रसार हेतु व्याख्यान कार्यक्रम एवं ऑनलाईन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

दिसम्बर, 2020

01 दिसम्बर – वनस्पतिशास्त्र विभाग द्वारा 'एड्स दिवस' पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

09 दिसम्बर – जनभागीदारी शिक्षक भर्ती हेतु साक्षात्कार एवं डेमो क्लास का आयोजन किया गया।

22 दिसम्बर – गणित विभाग द्वारा राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर ई –क्विज का आयोजन किया गया।

जनवरी, 2021

12 जनवरी – महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा युवा दिवस के अवसर पर निबंध, क्विज, पोस्टर लेखन व नारा लेखन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

23 जनवरी – नेताजी सुभाषचन्द्र बोस जयंती के अवसर पर व्याख्यान् कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

25 जनवरी – 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' का आयोजन किया गया।

26 जनवरी – गणतंत्र दिवस के अवसर पर महाविद्यालय प्रांगण में प्राचार्य द्वारा ध्वजारोहण किया गया तथा छात्रों द्वारा ऑनलाईन देशभक्ति गीत, कविता एवं भाषण की प्रस्तुति दी गई।

फरवरी, 2021

01 फरवरी – इको क्लब के द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

15 फरवरी – छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक प्राध्यापक परीक्षा में साक्षात्कार हेतु चयनित प्रतिभागियों के लिए मॉक इण्टरव्यू का आयोजन किया गया।

17 फरवरी – सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक, स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय द्वारा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विजेता प्रतिभागियों को हेलमेट प्रदान किया गया।

28 फरवरी – राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर केमिकल सोसायटी, रसायनशास्त्र विभाग द्वारा "science Technology and innovation" विषय पर ई–क्विज, विज्ञान आधारित नारा लेखन, रंगोली, मेहंदी, पोस्टर निर्माण एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

मार्च,2021

01 मार्च से 09 मार्च तक – महाविद्यालय स्तर पर आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा का आयोजन किया गया ।

02 मार्च से 05मार्च तक – हिन्दी विभाग द्वारा एम.ए. (हिन्दी) प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों हेतु चार दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

06 मार्च – हिन्दी साहित्य परिषद, हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों हेतु निबंध, सुलेख एवं नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

08 मार्च – अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के सभागृह में व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

10 मार्च – IQAC द्वारा "Post Covid-19 Socio-Economic impact on India" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

13 मार्च – कम्प्यूटर साईंस विभाग द्वारा बी.एस.सी. एवं बी.सी.ए. के छात्र–छात्राओं के लिए 'कम्प्यूटर हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

15 मार्च – विश्व उपभोक्ता दिवस के अवसर पर वाणिज्य विभाग के द्वारा एकदिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

विनय कुमार देवाँगन
डॉ.आशीष कुमार आसटकर
महाविद्यालयीन शैक्षणिक कैलेण्डर प्रभारी

जनभागीदारी समिति के सम्मानित सदस्यों की सूची

क्र.	सदस्य का नाम	पदनाम
1.	माननीय श्री विकल माने	अध्यक्ष
2.	माननीय कलेक्टर महोदय जिला–कोण्डागाँव	उपाध्यक्ष
3.	डॉ. किरण नुरूटी, (प्रभारी प्राचार्य)	सचिव
4.	श्री पुरोहित कुमार सोरी श्री शशिभूषण कन्नौजे	वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक
5.	डॉ. देवाशीष हालदार	वि.वि.अनु.आ. सदस्य
6.	माननीय श्री पंचूराम सागर माननीय श्री एम.डी. बघेल	स्थानीय संगठन सदस्य
7.	माननीय श्री सुब्रत राय	उद्योग सदस्य
8.	माननीय श्री सुशील गुप्ता	अभिभावक प्रतिनिधि
9.	माननीय श्री दीपक जैन	भूतपूर्व छात्र प्रतिनिधि
10.	माननीय श्री जीवन लाल नाग	कृषक प्रतिनिधि
11.	श्री नरेन्द्र कुमार नायक	सदस्य पोषक शाला
12.	माननीय श्री दीपक सिंह ठाकुर	दानदाता
13.	माननीय श्रीमती ननकी वैष्णव	महिला प्रतिनिधि
14.	माननीय श्री कैलाश पोयाम	सांसद प्रतिनिधि

स्टाफ लिस्ट 2020-21

डॉ. किरण नुरूटी	प्रभारी प्राचार्य
इतिहास	
श्री पुरोहित कुमार सोरी	सहायक प्राध्यापक
जन्तु विज्ञान	
श्री शोभा राम यादव	सहायक प्राध्यापक
वनस्पति शास्त्र	
श्री शशिभूषण कन्नौजे	सहायक प्राध्यापक
अंग्रेजी	
श्रीमती रूपा सोरी	सहायक प्राध्यापक
अर्थशास्त्र	
डॉ. देवाशीष हालदार	सहायक प्राध्यापक
रसायन शास्त्र	
श्री नसीर अहमद	सहायक प्राध्यापक
डॉ. आशीष कुमार आसटकर	सहायक प्राध्यापक
श्रीमती चित्र किरण पटेल	सहायक प्राध्यापक
हिन्दी	
श्री विनय कुमार देवाँगन	सहायक प्राध्यापक

अतिथि सहायक प्राध्यापक

श्री हनी चोपड़ा, वाणिज्य	श्री गजेन्द्र वर्मा, अर्थशास्त्र
श्री जगदीश वर्मा, अर्थशास्त्र	श्री सोनल मेश्राम, राजनीतिशास्त्र
श्रीमती सिहनु लाम्बा, हिन्दी	कु. किरण मरकाम, भूगोल
श्रीमती अनिता चंद्राकर, गृहविज्ञान	श्री शिकलेश नरेटी, समाजशास्त्र
कु. महक बख्शी, गणित	कु. मोनिका देवाँगन, भौतिक शास्त्र
श्रीमती गायत्री ठाकुर, राजनीतिशास्त्र	श्री समलेश पोटाई, भूगोल
कु. निशा भोई, कम्प्यूटर साईंस	श्री रविकांत शांडिल्य, वाणिज्य

जनभागीदारी सहायक प्राध्यापक

कु. ज्योति देवाँगन, इतिहास	श्री रवि कुमार सूर्यवंशी, कम्प्यूटर साईंस
श्री हरीश चंद्राकर, समाजशास्त्र	

तृतीय श्रेणी कर्मचारी

श्री बृजलाल मरकाम, छात्रावास अधीक्षक	श्री जसवंत कुमार आर्य, डाटा एन्ट्री ऑपरेटर
श्री छबीलाल धनेलिया, प्रयोगशाला तकनीशियन	श्री रामसेवक पैकरा, प्रयोगशाला तकनीशियन
श्री अश्वनी कुमार ठावरे, प्रयोगशाला तकनीशियन	श्रीमती ज्योति ओस्तवाल, प्रयोगशाला तकनीशियन
कु. अंजना पराते, प्रयोगशाला तकनीशियन	

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

श्री बादल कर्मकार, प्रयोगशाला परिचारक	कु. सायरा बेगम कुरैशी, प्रयोगशाला परिचारक
श्री सुदन राम पोयाम, भृत्य	श्री अर्जुन सिंह मौर्य, स्वीपर
श्री आनंदी राम नेताम, भृत्य	श्री सुरेन्द्र कुमार देवाँगन, बुक लिफ्टर
श्री मनीष कुमार नेताम, भृत्य	

अंशकालीन कर्मचारी (जनभागीदारी)

श्री विजय पटेल, भृत्य	श्री कमलेश कुमार पाण्डेय, भृत्य
श्री लखमू राम सोरी, माली	श्री विनोद कुमार कश्यप, भृत्य
श्री राजेन्द्र कोर्राम, कम्प्यूटर ऑपरेटर	श्री विवेक शुक्ला, चौकीदार

अखबार की सुर्खियों में हमारा महाविद्यालय...

पायनियर

...धूर महाविद्यालय में सामाजिक दूरी के निर्देशों ...पालन करते हुए शिक्षक दिवस मनाया गया

6 Mar 202...

...गुण्डाधुर कालेज के सेमिनार ...विविध विषयों हुए व्याख्यान

कोण्डागांव

प्राचार्य डॉ. श्रीमती किरण नुरुटी ने संगोष्ठी आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस ... के आयोजन परीक्षा की तैयारी की ...

एक्स स्टूडेंट्स ने बताए एक्सपीरियंस, डेवलपमेंट के लिए अपने सजेशन

महाविद्यालय के समाचार में भूतपूर्व छात्र परिषद की बैठक सम्पन्न

...मनाया गया हिंदी दिवस

...की नयी खोजों पर दी जानकारी

...साइंस की ...

देश विदेश में देखा लोगों ने कार्यक्रम

कोण्डागांव महाविद्यालय का प्रयास सराहनीय

दूसरे वक्ता इजराइल से बोले ये

पल पल की खबर सब पे नज़र

प्रातः इंडिया

वर्ष 16 | अंक 13

जगदलपुर शनिवार, 12 सितंबर 2020

बस्तर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने के लिए दूसरी मेरिट सूची जारी

कोंडागांव (प्रातःइंडिया)। बस्तर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में स्नातक प्रथम वर्ष (बीए, बीएससी, बीकॉम इत्यादि) में प्रवेश लेने के लिए दूसरी मेरिट सूची जारी कर दी गयी है। शायद जानकारी के अभाव में या कोरोना महामारी के चलते महाविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया अत्यंत धीमी है।

अब तक कोण्डागांव महाविद्यालय में बीएससी बायो में 120 में से 75 सीट, बीएससी गणित संकाय में 40 में 20 सीट, बीएससी कम्प्यूटर साइंस संकाय में 20 में 5 सीट और बीसीए की 30 सीटों में से केवल 1 ... पर प्रवेश ...

दूसरी मेरिट सूची के अनुसार महाविद्यालयों में प्रवेश की अंतिम तिथि 12 सितंबर है, इसके पश्चात बची हुई सीटों पर 14 सितं... मेरिट ...

... की है।

बीएससी प्रवेश प्रभारी सहायक प्राध्यापक ... प्रभारी तथा महाविद्यालय के नेक प्रभारी सहायक प्राध्यापक पुरोहित कुमार सोरी ने बताया कि, महाविद्यालय में महामारी से बचाव के सारे इंतजाम किये गए है। सोशल डिस्टेंसिंग बनाये रखने हेतु, फेसमास्क लगाकर आने हेतु तथा महाविद्यालय में प्रवेश के पूर्व सेनिटाइजर लगवाने हेतु कर्मचारी नियुक्त किये गए हैं ताकि महाविद्यालय में प्रवेश लेने के लिए छात्र और अभिभावक ...मुक्त होकर ... जिला ...

इसराइल के वैज्ञानिकों ने दिये साइंस की नयी खोजों पर दी जानकारी

अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार; साइंस की नई खोज पर हुआ व्याख्यान

बीता एक वर्ष शिक्षा के इतिहास में लैक ईयर रहा : ठाकुर

150 से ज्यादा ने लिया हिस्सा

पोस्ट कोविड-19 सोशियो-इकोनामिक इंपैक्ट ऑन इंडिया विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार

विभागीय गतिविधियाँ

लाइफ साइंस विभाग

रसायनशास्त्र विभाग

समाजशास्त्र विभाग

इतिहास विभाग

हिंदी विभाग

वाणिज्य विभाग

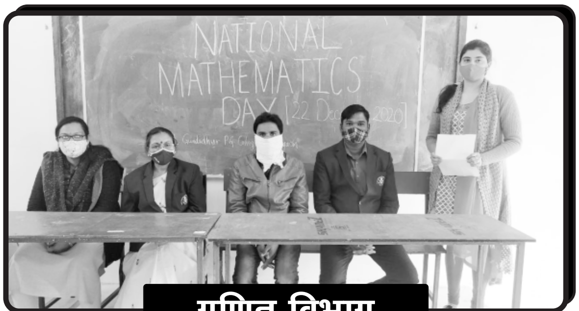

गणित विभाग

भूगोल विभाग

गणतंत्र दिवस

भूतपूर्व छात्र परिषद का गठन

सरस्वती पूजन

वृक्षारोपण कार्यक्रम

राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन

नैक मूल्यांकन की तैयारी

शिक्षक दिवस का आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

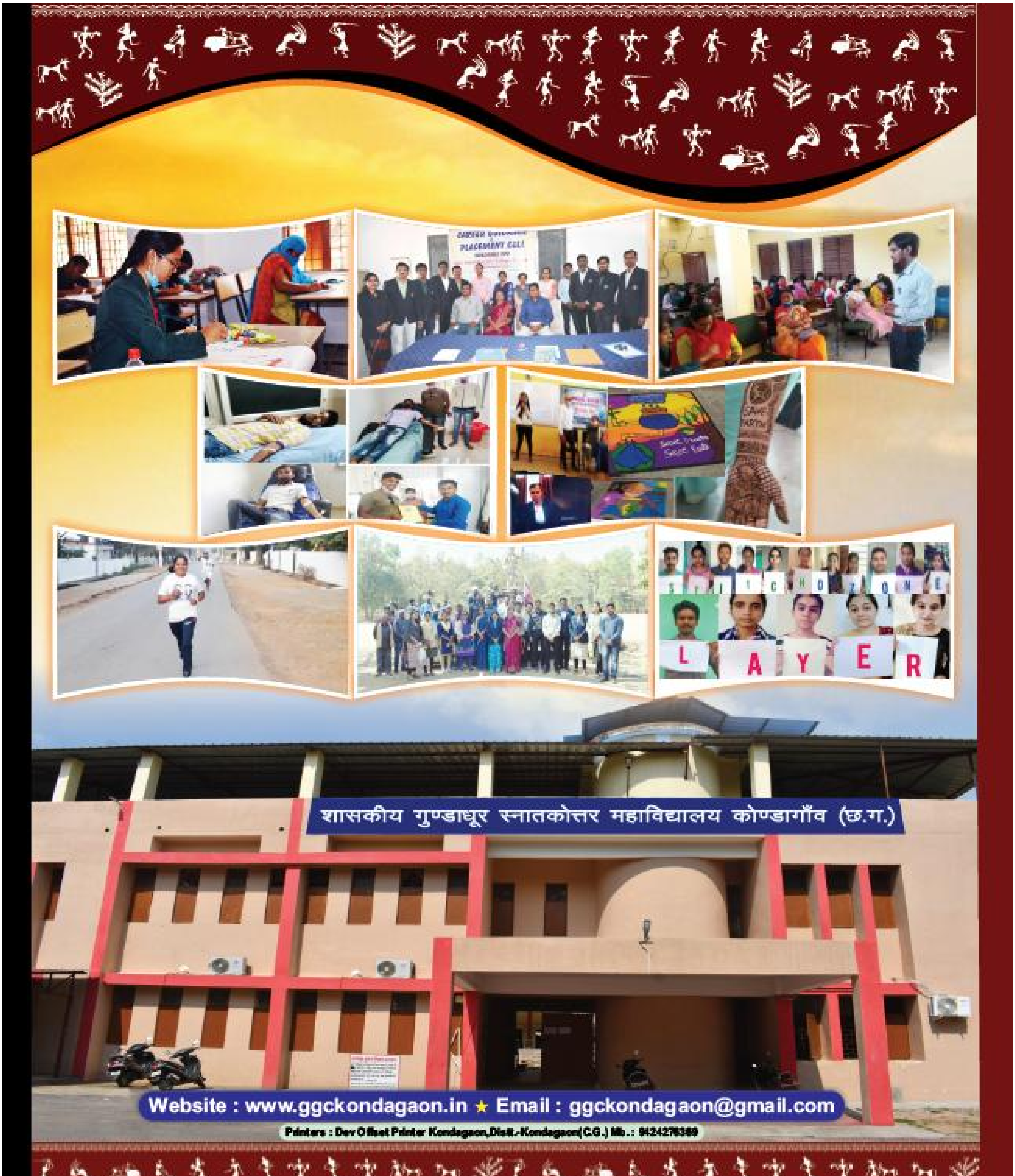
शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोण्डागाँव (छ.ग.)
Website : www.ggckondagaon.in ★ Email : ggckondagaon@gmail.com
Printers : Dev Offset Printer Kondagaon,Distt.-Kondagaon(C.G.) Mb.: